मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 21
रविवार, 27 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अंपायर पक्षपाती था, इसलिए हारी कांग्रेसः राहुल गांधी

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को एक बार फिर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा और गुजरात विधानसभा चुनावों में पार्टी की लगातार हार के लिए चुनाव आयोग को ज़िम्मेदार ठहराया। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के दौरान आणंद में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, राहुल ने चुनाव आयोग को 'पक्षपाती' करार दिया और जोर देकर कहा कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके मुख्य आधार पर हराना जरूरी है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने पार्टी कार्यकताओं को आश्वासन दिया कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने से पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उनके विचारों पर विचार करेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य में अपने कार्यकताओं के साथ खड़ा है। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के बाद, कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने राहुल के भाषण की सराहना की, साथ ही चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ भाजपा की कड़ी आलोचना की।

कांग्रेस के सुरेंद्रनगर ज़िला प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा कि राहुल ने अपने संबोधन में दावा किया कि अंपायर पक्षपाती था, जिसके कारण पार्टी 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव हार गई। सोलंकी ने कहा कि क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं। लेकिन फिर आपको एहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। यह अंपायर है जो पक्षपात कर रहा है। राहुल जी ने यह बात कही और हमें आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि हम 2017 के गुजरात चुनाव ईसीआई की संदिग्ध मतदाता सूची के कारण हारे थे।

सोलंकी ने कहा कि राहुल ने देश की तुलना एक मंदिर से भी की, लेकिन दावा किया कि प्रसाद किसे मिलेगा, यह भाजपा और आरएसएस तय करते हैं। उन्होंने कहा, ₹राहुल जी ने जोर देकर कहा कि भाजपा को उसके मुख्य गढ़ गुजरात में हराना बेहद जरूरी है।

उन्होंने हमें बताया कि पार्टी का मानना है कि हमें उत्तर प्रदेश, बिहार और कुछ अन्य राज्यों में (भाजपा को हराने के लिए) कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि अगर हम गुजरात में भाजपा को हरा सकते हैं, तो पार्टी को हर जगह हराया जा सकता है।₹ राजकोट कांग्रेस प्रमुख राजदीप सिंह जडेजा ने शिविर के बाद कहा कि राहुल ने पार्टी कार्यकताओं और नेताओं से विभिन्न शहरों और जिलों में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को उठाने को भी कहा है।

अदालतें आपराधिक शिकायतों में परिवर्तन की अनुमति दे सकती हैं : न्यायालय

नई दिल्ली, 26 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि अदालतें आपराधिक शिकायतों में संशोधन की अनुमति दे सकती हैं बशर्ते इन बदलावों से मुकदमे में आरोपी के प्रति कोई पूर्वाग्रह ना हो।

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने आगे कहा कि प्रक्रियात्मक कानून न्याय में सहायता के लिए है, न कि उसमें बाधा डालने के लिए। शीर्ष अदालत के फैसले ने इस सिद्धांत को पुष्ट किया कि प्रक्रिया संबंधी तकनीकी बातें न्याय की राह पर हावी नहीं होनी चाहिए और उसने परक्राम्य लिखत (निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट) अधिनियम की धारा 138 के तहत दायर आपराधिक शिकायत में संशोधन की अनुमति दी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जब आरोप में बदलाव किया जाता है और अगर आरोपी के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है, तो मुकदमा आगे बढ़ सकता है। अदालत ने कहा, अगर इससे पूर्वाग्रह होने की संभावना है, तो अदालत या तो नए मुकदमे का निर्देश दे सकती है या मुकदमे की सुनवाई उस अवधि के लिए स्थगित कर सकती है।

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 217 अभियोजक और अभियुक्त को आरोपों में बदलाव होने पर उसमें निर्धारित शर्तों के तहत गवाहों को वापस बुलाने की स्वतंत्रता देती है। अदालत ने यह टिप्पणी करना उचित समझा कि शिकायतों में संशोधन दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के लिए कोई नई बात नहीं है।

चिराग पासवान ने बिहार में अपराध पर नीतीश सरकार को घेरा

पटना, 26 जुलाई। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपराध पर अंकुश लगाने में असमर्थ सरकार का समर्थन करने में दुख हो रहा है। एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि बिहार में प्रशासन हत्या, अपहरण, डकैती और बलात्कार की घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से असमर्थ है। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हो गया है। चिराग पासवान ने आगे कहा कि यह सही है कि इस घटना की निंदा आवश्यक है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? अपराधों का एक सिलसिला सा चल पड़ा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह होगी, बल्कि, स्थिति भयावह हो गई है। पासवान ने राज्य सरकार पर या तो स्थिति को छिपाने का प्रयास करने या स्थिति को संभालने में असमर्थ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर यह कहा जा रहा है कि यह चुनाव के कारण हो रहा है, तो मैं यह भी कह सकता हूं कि ऐसा हो सकता है, यह सरकार को बदनाम करने की साजिश हो सकती है, लेकिन फिर भी, इसे नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। आपके प्रशासन में अपराधी कैसे बच निकल रहे हैं... या प्रशासन स्थिति को छिपाने की कोशिश कर रहा है, या प्रशासन स्थिति को संभालने में पूरी तरह से असमर्थ है। उन्होंने कहा, मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जहां अपराध अनियंत्रित हो गया है। लोजपा (रालोद) नेता की यह टिप्पणी गया में होमगार्ड भर्ती अभियान में भाग ले रही 26 वर्षीय एक महिला के साथ एम्बुलेंस के अंदर कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद आई है। यह घटना 24 जुलाई को हुई थी जब शारीरिक परीक्षण के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था।

कारगिल के वीर सपूतों को याद कर राष्ट्रपति-पीएम ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर भारत ने उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए कारगिल युद्ध में असाधारण साहस का परिचय दिया और अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिवस युद्ध में भारत की विजय का स्मरण कराता है और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए लड़ने वाले देश के सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की याद दिलाता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए देश के जवानों की असाधारण वीरता और दृढ़ निश्चय पर जोर दिया। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मैं मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। देश के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को बधाई दी और भारत के सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस की सराहना की। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि देशवासियों को कारगिल विजय दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। यह अवसर हमें मां भारती के उन वीर सपूतों के अप्रतिम साहस और शौर्य का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मातृभूमि के लिए मर-मिटने का उनका जज्बा हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद! केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भारतीय सैनिकों के वीरतापूर्ण प्रयासों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्स पोस्ट में कहा कि 'कारगिल विजय दिवस देश के वीर जवानों के गौरव और विजयगाथा का अविस्मरणीय दिन है। वर्ष 1999 में हमारे जवानों ने ऑपरेशन विजय से दुश्मनों को घुटनों पर ला कर, अदम्य साहस व पराक्रम की अमिट मिसाल पेश की। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उन सभी शूरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। यह राष्ट्र आपके त्याग व बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कारगिल विजय दिवस पर शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सिंह ने एक्स पर लिखा कि मैं उन वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी हमारे राष्ट्र के सम्मान की रक्षा में असाधारण साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। कारगिल युद्ध के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की एक चिरस्थायी याद दिलाता है। भारत उनकी सेवा का सदैव ऋणी रहेगा।

सीएम योगी का बड़ा फैसलाः अग्निवीरों को यूपी पुलिस में 20% आरक्षण

लखनऊ, 26 जुलाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान द्वारा ₹थोपा₹ गया था, जिसका भारत ने ऑपरेशन विजय के तहत दुश्मन को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी जहाँ दिन में भी तापमान माइनस 50 डिग्री रहता है। लेकिन पाकिस्तान के कायर भारतीय सेना के पराक्रम के आगे टिक नहीं पाए। तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ अमेरिका गए, और अमेरिका ने दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन वाजपेयी जी ने कहा कि चाहे अमेरिका हो या कोई भी विश्व शक्ति, भारत नहीं झुकेगा। योगी ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि जो सैनिक अग्निवीर के रूप में देश की सेनाओं में अपना योगदान दे रहे हैं, जब वह सैनिक सेवानिवृत्त होगा, तो हम ऐसे सैनिकों के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 20 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था कर रहे हैं।

उन्होंने वहां मौजूद लोगों से कहा कि आपने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भी भारत का पराक्रम देखा होगा। भारत के वीर जवानों और भारतीय सेना को पाकिस्तान को सबक सिखाने और पाकिस्तान के सभी आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में 22 मिनट भी नहीं लगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत कई देशों से लड़ रहा था। एक मोर्चे पर उसे (पाकिस्तान को) तुर्की, चीन और दुनिया के अन्य देशों से मदद मिल रही थी। लेकिन इतना सब होने के बावजूद, भारत की वीर सेना के सामने पाकिस्तान कुछ नहीं कर सका और अंततः उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि अगर हमें एक विकसित भारत के सपने को साकार करना है, तो हमें उन षड्यंत्रों से सावधान रहना होगा जो हमें जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने का काम करते रहते हैं। इतिहास के किसी भी कालखंड में भारत बल, बुद्धि और शिक्षा में कभी कमजोर नहीं रहा। लेकिन जो लोग विकसित भारत नहीं चाहते, जो लोग समर्थ भारत नहीं चाहते, जो लोग सशक्त भारत नहीं चाहते, वे जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर भारत को बांटते हैं, सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करते हैं और दुश्मनों को शह और प्रोत्साहन देते हैं।

पीएम मोदी की ट्रंप के साथ दोस्ती खोखली साबित हो रही है : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए भारतीय कूटनीति की विफलता का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की दोस्ती खोखली साबित हो रही है। कांग्रेस (महासचिव) के संचार प्रभारी रमेश ने एक्स पर लिखा कि 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की भारत को पहले ही भारी कीमत चुकानी पड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बहुप्रचारित दोस्ती अब खोखली साबित हो रही है।

रमेश ने कहा कि भारतीय कूटनीति की घोर विफलता, खासकर पिछले दो महीनों में, चार तथ्यों से सबसे ज्यादा उजागर होती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके ढोल पीटने वालों और जयजयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं। 10 मई, 2025 से अब तक राष्ट्रपति ट्रंप 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। उन्होंने भारत और पाकिस्तान को धमकी दी है कि अगर उन्होंने युद्ध नहीं रोका, तो वे अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 10 जून, 2025 को, शक्तिशाली अमेरिकी मध्य कमान के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला, आतंकवाद का मुकाबला करने में पाकिस्तान को अमेरिका का एक अभूतपूर्व साझेदार बताते हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

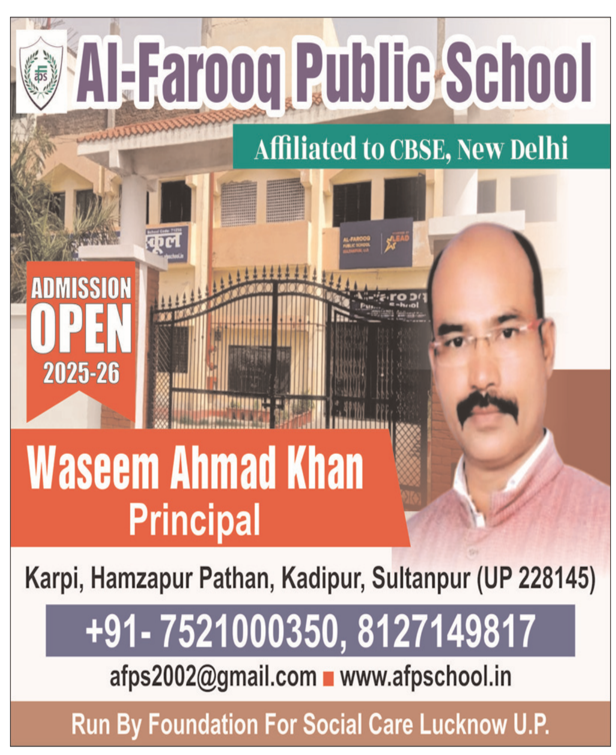

शिवराज प्रभाव से मुक्त होती एमपी की मोहन सरकार

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

भारत सरकार के कृषि मंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, भारतीय जनता पार्टी के संवेदनशील राष्ट्रीय नेता शिवराजसिंह चौहान गुजरात के जूनागढ़ में अतिव्यस्त कार्यक्रम में अपनी धर्मपत्नी साधनासिँह को कुछ देर के लिये भूल गए, उन्हें उसे ही लगा पत्नी साथ नहीं है, तब वाहनों का काफिला पलटाकर साधनासिँह तक पहुँचे वे मुंगफली शोध केंद्र के यात्री प्रतीक्षालय में उनका इंतजार कर रही थी। इस घटनाक्रम ने शिवराजसिंह चौहान को राष्ट्रीय पटल पर चर्चा में ला दिया। अब देश के सूचना माध्यमों पर उक्त वाकिया सुर्खियों में चल रहा है, तब एमपी की जनता को इस सच्चे और संवेदनशील जनसेवक की याद सताने लगी है। सताए भी क्यों न मिडिया जिसे भूल कह रहा हो, एमपी की जनता उसे फिक्र मान रही थी। जनता की फिक्र, देश और समाज की चिंता, अपने कार्यों के प्रति समर्पण की भावना, जनसेवक, जो जनता की सेवा में परिजन को भी भूल जाते है। लोक कार्यों की चिंताओं में परिवार को भूलने वाले शिवराज सिँह चौहान के लिये एमपी की जनता के मन अपार प्रेम, स्नेह और आत्मीय लगाव की भावना है। यही कारण है की मिडिया जिसे भूल बता रहा है, जनता उसे फिक्र मान रही है। बताएं भी क्यों न शिवराज सिँह जनकार्यों के फिक्रमन्द लोकनेता है। इसी कारण वे मध्यप्रदेश के सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहे है, उनके ही नैतृत्व में वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने रिकार्ड तोड़ जीत तय की थी। प्रदेश की लाडली बहनों के भाई, आदिवासी समाज के मामा, देश के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराजसिँह चौहान की संवेदना के दर्शन अभी माह में वर्षा के दौरान हुए। जब महाराष्ट्र का युवा कृषक गौरव पंवार अपनी मुगफल्ली बेचने बाजार समिति आया था, जहाँ तेज बारिश से मूंगफल्ली बहने लगी, किसान दोनों हाथों और शरीर के सहारे बहती हुई मूंगफल्ली को रोकने का प्रयास करता, किन्तु तेज बारिश और पानी के तेज बहाव में कृषक अपनी उपज को पानी में बहने से रोक पाने में नाकाम दिखाई देता था। कृषक गौरव के लिये आफत बनकर आई बारिश अपना विकराल रूप दिखा रही थी। कृषक की फसल के बहने का विडियो टीवी पर भी देखा गया, सोशल मिडिया पर भी चर्चा और संवेदना का कारण बना। उक्त घटनाक्रम का वीडियो जिसने भी देखा पिड़ा से भर गया। यह दृश्य देश के केंद्रीय मंत्री कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने भी देखा तो वह द्रवित हुए जानकारी के मुताबिक उन्होंने उक्त किसान से बात की उसे ढाढस बँधाया और सिर्फ ढाढस ही नहीं बंधाया महाराष्ट्र सरकार के माध्यम से आर्थिक सहायता दिए जाने का भरोसा भी दिया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषक गौरव पँवार को मानोरा बाजार समिति जिला वाशिम महाराष्ट्र के द्वारा आर्थिक मदद का चैक सौपा गया है। यह है भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिँह चौहान की जन कार्यों के प्रति समर्पण की भावना, संवेदना और विषयों के प्रति दृष्टि जो उन्हें एक अलग राजनेता के रूप में खड़ा करती है। राजनीति में जब कोई चरित्र संवेदना से भरपूर और जनता से सीधा जुड़ा दिखाई दे, तब वह किसी भी पक्ष का हो जनता के स्नेह का पात्र होता है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की इसी प्रकार के संवेदनशील चरित्र है। मध्यप्रदेश के विकास में शिवराजसिंह की भूमिका सराहनीय रही है। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के उपरांत भाजपा के केंद्रीय नैतृत्व ने परिवर्तन की दुहाई देकर शिवराज के स्थान पर उज्जैन के विधायक मोहन यादव को प्रदेश के मुख्यमंत्री की कमान सौपी। इस परिवर्तन के शुरूवाती दौर में शिवराज बहुत असहज से दिखाई दिए। किंतु स्वयं को पार्टी का अनुशासित सिपाही बताकर पार्टी के फैसलों को शिरोधार्य किया। फिर 2024 के लोकसभा में पार्टी ने उन्हें विदिशा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया उन्होंने यह चुनाव काफी अंतर से जीतकर अपनी महत्ता सिद्ध की, विदिशा से विजयी हुए शिवराज भारत सरकार में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री नियुक्त हुए। मध्यप्रदेश के इस जनप्रिय लोकसेवक के चर्चे प्रदेश में हर दिन सुनाई दे रहे है। प्रदेशवासी मौजूदा मुख्यमंत्री मोहन यादव से उनकी तुलना करते है। एमपी की मोहन सरकार की कार्यप्रणाली से असंतोष जाहिर करने वाले भाजपाई नेताओं की संख्या में बढ़ोतरी होता जा रही है। यह नेता पार्टी अनुशासन के चलते स्पष्ट रूप से कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। किंतु यह सच है की वर्तमान में प्रदेश सरकार पर प्रशासनिक तंत्र हावी है, सरकारी कर्मचारियों, अधिकारीयों के स्थानांतरण के संबंध में जिले से लेकर भोपाल तक अनियमितताओं की चर्चाओं से बाजार गर्म है। सरकारी दफ्तरों में लालफीताशाही हावी है। सरकार की कार्यप्रणाली में विरोधाभाष दिखाई देता है। एक और एमपी पुलिस नशा विरोधी अभियान चलाती है, दूसरी और प्रदेश में हावी शराब माफियाओं ने गाँव-गाँव गली मोहल्ले अवैध शराब की बिक्री को आसान बना दिया। आदिवासी अंचलो में महिलाओं और बच्चो द्वारा खुलेआम अवैध शराब बेचने का कार्य किया जा रहा है। शराब माफियाओ के साथ शिक्षा माफिया, खनन माफिया, राशन माफिया सिस्टम पर हावी दिखाई दे रहे है। शिवराज के समय एमपी की सरकार आम आदमी की सरकार नजर आती थी। उनके हर फैसले और कार्यप्रणाली से आम आदमी का विश्वास सरकार पर गहरा और अटूट होता जा रहा था, शिवराज के नैतृत्व में मिली प्रचंड विजयी इसी आमआदमी के सरकार पर दर्शाए विश्वास का नतीजा है। शिवराज को याद करने का मकसद यह कतई नहीं है की उन्हें फिर से प्रदेश की कमान सौपी जाए। शिवराज तो केंद्र की राजनीति में अपनी बेहतर कार्यप्रणाली से सर्वश्रेष्ठ पद पर पहुँचने की, वह केंद्र के हर बड़े पद के दावेदार है। उनके बहाने मोहन सरकार की कार्यप्रणाली में सुधार हो, सरकार माफियाओ के प्रति सख्त और आमजन के प्रति विनम्र हो, सरकारी सिस्टम पर आमजन का भरोसा व्याप्त हो, यह मोहन यादव भी कर सकते है। उन्हें अधिक जवाबदेह बनने की आवश्यकता है। अब तक के कार्यकाल में एमपी की सरकार और मुख्यमंत्री आमआदमी की सरकार और मुख्यमंत्री के रूप में नजर नहीं आते है। शिवराज के नैतृत्व में बनी एमपी की सरकार पर शिवराज प्रभाव धीरे धीरे खत्म होता जा रहा है। शिवराज नाम है, संवेदना का, सरकार पर शिवराज के प्रभाव का कम होना चिंता का विषय है।

यह सच है कि निजी अस्पताल मरीजों का एटीएम की तरह इस्तेमाल करते हैं

अशोक भाटिया

निजी अस्पताल मरीजों का एटीएम की तरह इस्तेमाल करते हैं। ऐसा समाचार आज के कई समाचार पत्रों में छपा है . समाचार पत्रों में छपे समाचार के अनुसार गुरुवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक केस की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। अदालत ने लापरवाही के एक मामले में डॉक्टर के खिलाफ आपराधिक केस हटाने की मांग को खारिज करते हुए यह बात कही। जस्टिस प्रशांत कुमार की बेंच ने पाया कि डॉ. अशोक कुमार ने एक गर्भवती महिला को सर्जरी के लिए एडमिट कर लिया था, जबकि उनके पास एनेस्थिटिस्ट की कमी थी। वह काफी देर से पहुंचा और तब तक गर्भ में पल रहे भ्रूण की मौत हो गई थी। अदालत ने कहा कि यह सामान्य हो गया है कि अस्पताल पहले मरीजों को भर्ती कर लेते हैं और फिर संबंधित डॉक्टर को बुलाया जाता है।

दरअसल आज भारतीय समाज में आज भी यदि डॉक्टरी पेशे को इज्जत भरी निगाहों से देखा जाता है तो इसके पीछे चंद कतिपय ईमानदार और काबिल डॉक्टरों की मरीजों के प्रति समर्पित सेवा भावना को ही श्रेय जाता है। लेकिन बदलते वक्त के साथ साथ जैसे जैसे ह्यबाप बड़ा न भैय्या सबसे बड़ा रुपैयाह्ल वाली भावना हर पेशे के लोगों में बढ़ती जा रही है, वहां आदर्श, मूल्य, नैतिकता और ईमानदारी जैसे गुणों को तिलांजलि देकर अनैतिकता, स्वार्थ, लूटपाट और बईमानी जैसे कदाचार से परिपूर्ण दुगुर्णों ने ले ली है। सरकारी और निजी क्षेत्र में बढ़ते अनैतिक आचरण और फलफूल रहे भ्रष्टाचार पर आधारित ह्यगब्बर इज बैकह्ल फिल्म की कहानी में कुछ कुछ उपर्युक्त वर्णित सामाजिक परेशानियों को ही उजागर करने का प्रयास फिल्म निमार्ताओं ने किया था। भले ही ह्यगब्बर इज बैकह्ल फिल्म की कहानी को समीक्षकों ने एक नीरस और पूरी तरह से निरर्थक फिल्म करार दिया हो या फिल्म को पूरी तरह से ह्यमसालाह्ल फिल्म बताकर उसे खारिज कर दिया हो, तथापि भारतीय समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और सरकारी नौकरीपेशा लोगों द्वारा बईमानी एवं रिश्वतखोरी से दो चार हो चुके लोगों को जरूर लगेगा कि यह फिल्म कहीं न कहीं उनकी व्यथा, पीड़ा और हताशा का प्रतिनिधित्व करती है।

इसी फिल्म का एक डायलॉग, ह्यसोसायटी क्रिमिनल्स के कुछ करने से बर्बाद नहीं होती सोसायटी तबाह होती है एक सक्षम आदमी के कुछ न करने से, एक किरदार की हताशा को बयां करता है। फिल्म में एक छोटे कथानक द्वारा दशार्या गया है कि किस प्रकार से प्राइवेट हॉस्पिटल माफिया के लोग सामान्य लोगों को परीक्षणों के नाम पर अथवा मर चुके व्यक्ति को भी वेंटिलेटर पर दिखा कर उपचार के नाम पर लूटते हैं, जो कहीं न कहीं अभी भी हमारे समाज और व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार रूपी बीमारी को ही उजागर करता है। संदेश स्पष्ट है कि प्रायः निजी अस्पतालों अथवा सरकारी चिकित्सालयों में लापरवाही की ऐसी न जाने कितनी घटनाएं घटती रहती हैं, लेकिन हमारे कमजोर सिस्टम की वजह से फिर भी दोषी साफ बच निकलते हैं और भुक्तभोगी आम आदमी मन मसोस कर रह जाता है। भारतीय संस्कृति में ज्ञान का विशद प्रवाह पढ? को मिलता है। हजारों वर्ष पूर्व वृहदारण्यक उपनिषद् के इस श्लोक में सभी जीवों के कल्याणार्थ प्रार्थना को ही देखें : ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद्दुः खभाग्भवेत। ओउम शांतिः शांतिः शांतिः॥ अर्थात, हे ईश्वर, इस धरा में सभी प्राणी खुश रहें, सभी बीमारी से मुक्त हों। सभी देखें कि क्या शुभ है, किसी को भी कष्ट न हो।

और सर्वत्र शांति हो !ह्ल इतना सुंदर ज्ञान एवं मार्गदर्शन होने के बावजूद मनुष्य इस आधुनिक युग में अपनी अनियंत्रित और असीमित भौतिकतावादी अभिलाषाओं की पूर्ति के लिए अपने पतन की पराकाष्ठा को लांघकर क्या क्या नहीं षड्यंत्र रचकर अपने ही भाईयों का निर्ममतापूर्वक शोषण कर खुश हो रहा है। कई मामलों में देखने में आया है कि सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टर अपने घरों में ही निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं या प्राइवेट अस्पतालों में भी सेवारत हैं। अभी पिछले दिनों आयुष्मान भारत योजना में प्राइवेट अस्पतालों द्वारा किए गए बड़े फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) में राष्ट्रीय धोखाधड़ी विरोधी इकाई (एनएएफयू) का गठन किया गया है। यह धोखाधड़ी से संबंधित मुद्दों की जांच करती है। एनएएफयू ने 6.66 करोड़ दावों में से प्राइवेट हॉस्पिटल के 562.4 करोड़ रुपए के 2.7 लाख क्लेम फर्जी पाए थे, जिन्हें रिजेक्ट किया गया है। सरकार ने इस मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए और इस पर सख्त कदम उठाते हुए 1 हजार 114 अस्पतालों को पैनल से हटा दिया है। भारत में वर्तमान में लगभग 13 लाख 86 हजार 159 एलोपैथिक डॉक्टर (एमबीबीएस) हैं, नेशनल मेडिकल कमीशन के अनुसार। इन डॉक्टरों के साथ, डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात 1:811 है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित 1.1000 से बेहतर है। देश में 1.18 लाख एमबीबीएस सीटें भी उपलब्ध हैं, जो कि 2014 में 51348 से बढकर 118137 हो गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सीमित है और वहां बुनियादी ढांचे की भी कमी है। यदि हिमाचल की ही बात करें तो हिमाचल प्रदेश अपनी शांत वादियों, सरल जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में राज्य में निजी अस्पतालों द्वारा आम जनता का आर्थिक शोषण बढ़ा है और फिर भी ज्यादातर मामलों में अंततः रिश्तेदार अपने मरीजों को चंडीगढ़ लेकर जाने के लिए मजबूर नजर आते हैं।

जब सरकारी अस्पतालों की सुविधाएं अपर्याप्त साबित होती हैं, तब आम नागरिक मजबूरी में प्राइवेट अस्पतालों का रुख करता है। प्रायः देखने में आता है कि निजी अस्पतालों द्वारा छोटी सी जांच या इलाज के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपए तक का बिल बना दिया जाता है। आईसीयू चार्ज, मॉनिटरिंग फीस, डिस्पोजेबल सामान, यहां तक कि बिस्तर की चादर और ग्लब्स के नाम पर भी पैसे वसूले जाते हैं। बहुत से मामलों में देखा गया है कि मरीज को केवल कमाई का साधन समझा जाता है और उनके जबरन एमआरआई, सीटी स्कैन, ब्लड टेस्ट आदि कराए जाते हैं, जो कई बार अनिवार्य भी नहीं होते हैं। कई बार मामूली समस्याओं को जटिल बताकर ऑपरेशन करने का भी दबाव डाला जाता है। याद रखें कि स्वास्थ्य सेवा व्यापार नहीं, जन हितैषी सेवा है। हिमाचल जैसे शांत और ईमानदार राज्य में इस तरह की घटनाएं सामाजिक न्याय की भावना को ठेस पहुंचाती हैं। वक्त आ गया है कि स्वास्थ्य सेवा को शोषण नहीं, सेवा एवं सहयोग का माध्यम बनाया जाए ताकि सर्वे संतु निरामयाः की भावना की सर्वोच्चता बरकरार रहे। बहरहाल, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार जरूरी हैं।

ध्यान देने वाली बात यह है कि हालिया इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि यह एक सामान्य प्रैक्टिस देखी जा रही है कि निजी अस्पताल मरीजों को इलाज के लिए एडमिट कर लेते हैं। भले ही उनके पास संबंधित बीमारी के इलाज के लिए डॉक्टर न हो। मरीजों को भर्ती करने के बाद ही ये डॉक्टर को कॉल करते हैं। एक बार मरीज को एडमिट करने के बाद ये लोग डॉक्टरों को कॉल करना शुरू करते हैं। यह सामान्य धारणा बन गई है कि निजी अस्पतालों की ओर से मरीजों का इस्तेमाल एक एटीएम की तरह किया जाता है, जिनसे पैसों की उगाही होती है।' बेंच ने कहा कि ऐसे मेडिकल प्रोफेशनल्स को संरक्षण मिलना ही चाहिए, जो पूरी गंभीरता के साथ काम करते हैं।

अदालत ने कहा कि ऐसे लोगों पर ऐक्शन जरूरी है, जो बिना पर्याप्त सुविधा के ही अस्पताल खोल लेते हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए ताकि वे मरीजों से मनमाने पैसे कमा सकें। अदालत ने सुनवाई के दौरान डॉक्टर के उस दावे को खारिज कर दिया कि उस समय महिला के परिजन ऑपरेशन के लिए तैयार ही नहीं थे। बेंच ने कहा कि यह मामला पूरी तरह से लापरवाही और अवैध कमाई करने का है। अदालत ने कहा कि डॉक्टर ने महिला को एडमिट कर लिया। परिवार से यह मंजूरी मिल गई कि ऑपरेशन किया जाए, लेकिन उसे टाला जाता रहा क्योंकि सर्जरी के लिए डॉक्टर ही उपलब्ध नहीं था।

बेंच ने कहा कि डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए 12 बजे अनुमति ले ली थी। इसके बाद भी सर्जरी नहीं हो सकी क्योंकि असप्ताल में डॉक्टर ही नहीं था। अदालत ने कहा कि एक डॉक्टर का संरक्षण उसी स्थिति में किया जाना जरूरी है, जब वह पूरे मन से काम कर रहा हो। फिर भी गलती हो तो उसे ह्यूमन फैक्टर मानकर नजरअंदाज किया जा सकता है। लेकिन लापरवाही के ऐसे मामलों में इस चीज को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

हरियाली तीजः परंपरा की जड़ें और आधुनिकता की डालियाँ

-प्रियंका सौरभ

हरियाली तीज का नाम लेते ही आँखों के सामने एक चित्र उभरता है–हरा चूनर ओढ़े खेत, बारिश की बूंदों से भीगी धरती, झूलती बालाएं, मेंहदी रचे हाथ और लोकगीतों की सुमधुर गूंज। पर यह चित्र अब केवल स्मृति में रह गया है, क्योंकि आधुनिकता की तेज रफ्तार ने परंपराओं के रंगों को हल्का कर दिया है। फिर भी हरियाली तीज आज भी भारतीय स्त्रियों के मन में गहरे तक रची-बसी है। यह पर्व आज केवल धार्मिक या पारंपरिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और सांस्कृतिक संदर्भों में भी विशेष महत्व रखता है।

हरियाली तीज वर्षा ऋतु में मनाया जाने वाला एक प्रमुख पर्व है, जो शिव-पार्वती के पुनर्मिलन की स्मृति में विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। यह श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को आता है, जब आसमान बादलों से भर जाता है और धरती पर हरियाली बिछ जाती है। हरियाली तीज का मूल भाव प्रेम, समर्पण, सौंदर्य और प्रकृति के साथ तादात्म्य का है। पहले जहां इस पर्व को गाँवों और कस्बों में सामूहिक रूप से खुले वातावरण में मनाया जाता था, वहीं आज शहरी अपार्टमेंटों, वातानुकूलित हॉलों और सोशल मीडिया की चमक में इसकी आत्मा कहीं खोती जा रही है।

प्रश्न यह नहीं है कि पर्व मनाया जा रहा है या नहीं, प्रश्न यह है कि हम किस भाव से उसे निभा रहे हैं। पहले यह त्योहार स्त्रियों को सालभर की व्यस्तता और परिश्रम से थोड़ी राहत देने वाला, उनके भावनात्मक संसार को सहेजने वाला एक सहज अवसर होता था। स्त्रियाँ बिना किसी दिखावे के, प्राकृतिक परिवेश में एक-दूसरे से मिलती थीं, अपने सुख-दुख साझा करती थीं, लोकगीतों में अपने अनुभवों को पिरोती थीं। लेकिन अब यह पर्व कहीं-कहीं ह्यसर्वश्रेष्ठ श्रृंगार प्रतियोगिताह्ल, ह्यतीज क्वीनह्ल और ह्यसेल्फी विद स्विंगह्ल जैसे आयोजनों में तब्दील हो गया है, जहाँ संवेदना की जगह प्रतियोगिता ने ले ली है।

हरियाली तीज स्त्री मन के उस पक्ष को उजागर करता है जो प्रेम, प्रतीक्षा और पारिवारिक समर्पण से जुड़ा होता है। आज के दौर में जब रिश्ते त्वरित संवाद और क्षणिक भावनाओं में बदलते जा रहे हैं, तब यह पर्व स्थायित्व, आस्था और धैर्य का संदेश देता है। यह पर्व यह भी सिखाता है कि संबंधों को केवल अधिकार से नहीं, कर्तव्य और भावना से निभाया जाता है। पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखना हो या शिव-पार्वती जैसे दांपत्य संबंधों की कल्पना, इन सबमें एक ऐसा भाव छिपा है जो स्त्री को त्याग का नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बनाता है। आधुनिक संदर्भ में देखें तो यह पर्व कई नए अर्थों को जन्म देता है। जहां पहले तीज केवल विवाहित स्त्रियों तक सीमित थी, अब कई स्थानों पर इसे अविवाहित लड़कियाँ भी आत्मिक अनुभूति और सामूहिक संस्कृति के रूप में मनाने लगी हैं। कार्यरत महिलाओं के लिए यह पर्व अपने अस्तित्व और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का एक माध्यम बनता जा रहा है। वही महिलाएं, जो दिनभर कार्यालयों में कंप्यूटर की स्क्रीन के सामने बैठी रहती हैं, तीज के अवसर पर झूला झूलते हुए कुछ पल के लिए प्रकृति के साथ जुड़ जाती हैं। यह जुड़ाव आज की मानसिक थकान और तनाव के दौर में एक भावनात्मक उपचार जैसा है।

हरियाली तीज केवल श्रृंगार, झूला और व्रत का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री के आत्मबल, प्रेम और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। आधुनिकता की दौड़ में यह त्योहार भले ही प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा हो, पर इसकी आत्मा अब भी स्त्री के मन, पर्यावरण और लोकसंस्कृति में जीवित है। यह पर्व रिश्तों में स्थायित्व, समाज में समरसता और जीवन में हरियाली लाने का संदेश देता है। आवश्यकता है इसे सादगी, सामूहिकता और संवेदना के साथ फिर से जीने की, ताकि परंपरा आधुनिकता के संग आगे बढ़े।

परंतु आधुनिकता की यह यात्रा केवल सकारात्मक बदलाव नहीं लाती। तीज अब एक ह्यसोशल मीडिया इवेंट बन गया है, जहाँ हर महिला को यह सोचकर श्रृंगार करना पड़ता है कि उसकी फोटो सबसे सुंदर दिखे। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर जैसे ट्रेंड त्योहार को ग्लैमर से तो भरते हैं, पर उसकी आत्मा को खोखला भी करते हैं। त्योहार अब मन की खुशी से ज्यादा दिखावे की होड़ में शामिल हो गया है। यही कारण है कि त्योहार बीतने के बाद भी मन संतुष्ट नहीं होता, क्योंकि वह जुड़ाव, वह सामूहिकता, वह आत्मीयता अब केवल तस्वीरों में सीमित रह जाती है।

हरियाली तीज की सबसे सुंदर बात यह थी कि यह पर्व हमें प्रकृति के करीब ले जाता था। खेतों में लगे झूले, पेड़ों पर टंगे कागज के फूल, मिट्टी से बने शिव-पार्वती के स्वरूप – ये सब हमें याद दिलाते थे कि हम प्रकृति के ही अंश हैं। आज जब हम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग, पेड़ों की कटाई और प्रदूषण जैसे संकटों से जूझ रहे हैं, तब तीज जैसे पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण की चेतना दे सकते हैं। अगर हर तीज पर एक पेड़ लगाने की परंपरा शुरू की जाए, अगर बच्चों को झूला झुलाने के साथ-साथ पेड़ से प्रेम करना सिखाया जाए, तो यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, पर्यावरणीय आंदोलन बन सकता है।

तीज में महिलाएं लोकगीत गाती थीं, जिनमें नारी की पीड़ा, उसकी उम्मीदें, उसकी हंसी, और उसका समाज से संवाद छुपा होता था। आज वह लोकगीत मोबाइल की रिंगटोन बन चुके हैं या यूट्यूब के व्यूज तक सिमट गए हैं। हमें इन गीतों को फिर से जीवन में लाना होगा। नारी की आवाज को उसकी भाषा, उसकी धुन, और उसके लोकसंगीत में फिर से पिरोना होगा। यदि हम सच में महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं तो इन सांस्कृतिक मंचों को पुनर्जीवित करना जरूरी है, क्योंकि यही स्त्रियों को आत्म-अभिव्यक्ति की सबसे स्वाभाविक जमीन देते हैं।

आज जब महिलाएं शिक्षा, सेवा, राजनीति और विज्ञान के हर क्षेत्र में भागीदारी निभा रही हैं, तब यह आवश्यक है कि त्योहारों को भी उनके नए रूपों में स्वीकार किया जाए। तीज को केवल पारंपरिक श्रृंगार और व्रत तक सीमित न कर, उसे आत्मचिंतन, सांस्कृतिक संवाद और सामाजिक चेतना से जोड़ना होगा। तीज केवल घर की चारदीवारी में मनाया जाने वाला त्योहार नहीं होना चाहिए, बल्कि यह महिला जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, लोकसंस्कृति संरक्षण और सामाजिक संवाद का अवसर बन सकता है। अगर एक महिला तीज के दिन वृक्षारोपण करे, कुपोषित बच्चों के लिए भोजन बांटे, घरेलू हिंसा के खिलाफ एक संवाद करे, तो वह इस पर्व को नई चेतना दे सकती है। शहरीकरण और उपभोक्तावाद ने हमारे त्योहारों को उपहारों, महंगे लहंगे और इंस्टाग्राम-योग्य सजावटों में बदल दिया है। तीज अब रेडीमेड परिधानों, ब्यूटी पार्लरों और 'फैशन शो विद झूला थीम' का केंद्र बन गई है। हम भूलते जा रहे हैं कि इस पर्व का सौंदर्य उसकी सादगी में था–माँ के हाथों से बुना गया हरा दुपट्टा, बहन द्वारा सजाया गया झूला, पड़ोसी की दी हुई मेंहदी। यही सादगी त्योहार को उत्सव बनाती थी, यही आत्मीयता इसे जीवंत बनाती थी। अगर आधुनिकता को अपनाते हुए हम सादगी और आत्मीयता को न छोड़ें तो यह पर्व और अधिक समृद्ध बन सकता है। हरियाली तीज स्त्री मन की वो कविता है, जिसे वह हर वर्ष प्रकृति के पन्नों पर लिखती है। यह पर्व बताता है कि स्त्री केवल त्याग की प्रतिमूर्ति नहीं, बल्कि सृजन की शक्ति है। जब वह झूला झूलती है, तो वह केवल आनंद नहीं लेती, वह समय से संवाद करती है–बीते हुए पलों से, आने वाले कल से। जब वह शिव-पार्वती की पूजा करती है, तो वह केवल धार्मिक कर्म नहीं करती, वह अपने भीतर की ऊर्जा, समर्पण और शक्ति को पहचानती है। और जब वह हरे वस्त्र पहनती है, तो वह केवल श्रृंगार नहीं करती, वह जीवन की हरियाली को अपनाती है। इसलिए, जरूरत है कि हम हरियाली तीज को फिर से उसकी आत्मा के साथ जोड़ें। परंपरा और आधुनिकता को विरोधी ध्रुव नहीं, सहयात्री बनाएं। परंपराओं को संजोते हुए नई पीढ़ी को यह समझाएं कि त्योहार केवल कपड़े पहनने और फोटो खिंचवाने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन के मूल मूल्यों को जीने का नाम है। अगर हम तीज के इस भाव को समझें, तो यह पर्व हमारे समाज को और भी सुंदर, समावेशी और संवेदनशील बना सकता है।

भाषा विवाद अपनी राजनीति चमकाने और अस्तित्व के लिए

महाराष्ट्र में हिंदी बोलने पर मराठी भाषियों के एक वर्ग द्वारा विरोध और मारपीट करने की घटनाएं और कुछ नहीं, बल्कि एक संवेदनशील मुद्दे की आड़ लेकर अपनी राजनीतिक जमीन को उपजाऊ बनाए रखने की कोशिश है। यह परिपाटी बन गई है कि जब भी लगे कि जनता को गुमराह कर अपना उल्लू सीधा करना है, तो भाषा की लड़ाई शुरू कर दो और यह केवल एक राज्य तक सीमित नहीं, देश भर में यह पैंतरा अपनाया जाता है। इससे किसका लाभ होता है, इसे समझना होगा।

भाषाओं का संगम : भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी और भाषावादी देश है। यहां प्रमुख रूप से और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं के अतिरिक्त लगभग 1600 से अधिक मातृभाषाएं, बोलियां हैं, जिनका अपना इतिहास, संस्कृति और साहित्य है। इस विविधता को न समझ पाने का लाभ आक्रांताओं के रूप में आए मुगलों और अंग्रेजों ने उठाया और भारतीय भाषाओं के सिर पर अपनी भाषाओं को थोप दिया। उर्दू और हिंदी मिलकर हिंदुस्तानी हो गई और अंग्रेजी राजकाज में इस्तेमाल होने लगी। जिन प्रदेशों में उनकी अपनी भाषाओं का बोलबाला था, उन पर भी अंग्रेजी लाद दी गई।

महात्मा गांधी को अंग्रेजों की चाल समझने में देर नहीं लगी। उन्होंने देखा कि हिंदी एक बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है लेकिन पूरे देश में नहीं। उन्हें लगा होगा कि हिंदी को सर्वमान्य और पूरे देश को जोड़ कर रखने वाली भाषा बनाया जा सकता है, क्योंकि लडा है तो अपनी एक भाषा तो होनी ही चाहिए। अगर हिन्दी को स्वीकार्य भाषा बनाना है तो सबसे पहले उन राज्यों में इसे पहुंचाना होगा, जहां उनकी अपनी भाषाएं समृद्ध तो हैं लेकिन उनके देशव्यापी बनने की संभावना नहीं है और हिंदी अपने विविध रूपों में आधे भारत द्वारा बोली और समझी जाती है।

आजादी की लड़ाई में हिंदी का प्रयोग सब जानते हैं। स्वतंत्र हुए तो कुछ नेताओं पर अंग्रेजी का नशा सिर चढ़कर बोल रहा था और वे इसमें पारंगत होने की लालसा के अतिरिक्त अंग्रेजों को यह दिखाने में लगे रहते थे कि उनके जाने के बाद उन्होंने इसे पूरे देश की भाषा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जो अहिन्दी भाषी हिंदी सीखकर यह उम्मीद लगाए बैठे थे कि उन्हें रोजगार मिलने में आसानी होगी, उन्हें भारी झटका लगा क्योंकि हिंदी की कद्र तो हिंदी भाषी राज्यों में ही नहीं थी बल्कि सब जगह अंग्रेजी का बोलबाला था। इससे उन्हें अपने साथ धोखा हुआ जैसा लगा और उन्होंने हिंदी के विरोध में झंडा उठा लिया, अपनी आवाज को इतना बुलंद किया कि देश भर में हिंदी विरोध की लहर फैल गई।

सरकार की अक्षमता : सरकार की नीति के अनुसार व्यावहारिक रूप से सभी प्रशासनिक कार्य केंद्र और सभी राज्यों में अंग्रेजी में होने लगे लेकिन क्योंकि हिंदी को भी कानून में अंग्रेजी के बराबर रखा गया था, इसलिए लीपापोती भी करनी थी। विद्वानों की ऐसी मंडली बनाई, जिसने अंग्रेजी शब्दों का हिंदी में ऐसा भ्रष्ट और घटिया अनुवाद किया कि उन्हें बोलना भी मुश्किल था। उल्लेखनीय यह है कि ये सब अंग्रेजी में ही काम करते थे और उसी के पैरोकार थे लेकिन नाम हिंदी का लेते थे। ऐसे में हमारी जो क्षेत्रीय भाषाएं थीं, वे अलग-थलग पड़कर अपनी पहचान बनाने का संघर्ष करने लगीं। इसका परिणाम यह हुआ कि वे अपने प्रदेश में हिंदी प्रदेशों से नौकरी या व्यापार करने आए लोगों का विरोध करने लगे। मराठी न बोल पाने पर पिटाई कर देना इसका ही उदाहरण है।

देश में भाषा को लेकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले दल हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हुए अपनी अस्मिता, संस्कृति और यहां तक कि साहित्य और सिनेमा तक के लिए खतरा बताते हैं। एक झूठ, कि हिंदी को जबरदस्ती लादा जा रहा है, निरंतर फैलाते रहते हैं जबकि सच्चाई यह है कि हिंदी के बिना इन भाषाई ठेकेदारों का कोई अस्तित्व ही नहीं है। क्या महाराष्ट्र में हिंदी के बिना सिनेमा बन सकता है? तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में हिंदी के बिना काम चल सकता है? अन्य राज्यों की भाषाएं हिंदी के सहयोग बिना क्या अपना विस्तार कर सकती हैं? हिंदी में अनुदित या रूपांतरित होकर सभी भाषाओं का श्रेष्ठ और राष्ट्रीय तथा विश्व स्तरीय साहित्य यदि पुस्तकों, नाटकों तथा सिनेमा के माध्यम से प्रसारित होता है तो इसका अर्थ यह है कि सभी भाषाएं इसके वर्चस्व को स्वीकार करती हैं। लेकिन यह बात राजनीतिज्ञों को सबसे ज्यादा अखरती है कि उनके प्रदेश में, मिसाल के तौर पर हिंदी और मराठी भाषी लोग कैसे एक-दूसरे के साथ गलबहियां करते हैं और मिलजुल कर काम करते हैं। इस बात से किसी को कोई आपत्ति नहीं है कि उनके प्रदेश में उनकी भाषा को प्रोत्साहन मिले लेकिन यदि इसके साथ ही हिंदी को भी रखा जाए तो इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलेगी, इसका विरोध क्यों होता है? राजनीतिक दलों को अपने स्वार्थ पूरे करने होते हैं और यह तब ही हो सकता है जब वे किसी न किसी बात पर लोगों के बीच बिखराव पैदा कर सकें। सरकार की मजबूरी : यह संयोग नहीं एक प्रयोग था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को यह आदेश देना पड़ा कि जब तक अहिन्दी भाषी राज्य न चाहें, अंग्रेजी सरकारी कामकाज की भाषा बनी रहेगी। आज तक यही कायम है। इससे हिंदी की प्रतिष्ठा तो कम हुई ही, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं को भी कुछ नहीं मिला। वे सभी अंग्रेजी के अधीन काम करती हैं। तीन भाषाएं पढे की नीति शुरू से गलत साबित हुई क्योंकि इसे अमल में लाने के लिए दोगली नीति अपनाई गई। हिंदी थोपे जाने का भ्रम इसी नीति ने पैदा किया। लोग भाषा को लेकर एक दूसरे से नफरत करने और आपस में लडे लगे। या तो जैसा है वही स्वीकार करें जैसे कि अंग्रेजी की अनिवार्यता और हिंदी सहित सभी भाषाएं उसके माध्यम से ही फले-फूलें अथवा कुछ और जिसके जरिए भारतीय भाषाओं के सामने उनकी पहचान का संकट न हो।-पूरन चंद सरीन

देश के किसानों के मुद्दे

-विक्रम दयाल

कहने के लिए किसान अन्नदाता, जीवन दाता, विधाता जैसे संज्ञा से अलंकृत किये जाते हैं। मगर बहुत सारे ऐसे मौके आते हैं, जब उन्हें उपेक्षित किया जाता हैं। ओ भी तब जब वे कोई अपनी मांग सरकार से करते हैं, और सरकार से मांग पूरी होने की आशा रखते हैं। देश के किसानों की अनेक प्रकार के मुद्दे हैं जिसपर जन प्रतिनिधि द्वारा लोकसभा, विधानसभा में चर्चा के लिए पेस नही किया जाता है। जैसे कि उपज का उचित दाम न मिलना, किसानों पर बढ़ते शुल्क, विजली के बढ़ते बिल, किसानों कि ये प्रमुख मांगे हैं, और मुद्दे भी हैं। लेकिन किसानों की प्रमुख मांगे पूरी होना तो दूर कि बात है, उनकी हालात और भी खराब होती चली जा रही है। वैश्वीकरण की कुछ नीतियों ने बड़ी संख्या में आत्महत्यायों के कगार पर उन्हें पहुंचा दिया है। भारतीय कृषि के लिए प्राथमिक चुनौतीझतकनीकी मुद्दे हैं। जो सुसंगत तकनीकी और संस्थागत सुधारों की है। भूमि उपयोग जिसने कृषि के विकास को धीमा कर दिया है। पानी सिमित हैं, और इसका उपयोग सिंचाई के उद्देश्यों के लिए ही किया जाना चाहिए । शहरी क्षेत्रों में जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। किसानों की कुछ और समस्यायें आम हैं जैसे कि जोत थोड़ी होना। उत्पन्न कृषि आदानों का समय से न मिलना, सिंचाई की कमी, तथा मशीनों कि सुविधाएं समय से न मिलना। इन सारी समस्याओं को किसान अपने स्तर पर इस्तेमाल नही कर सकते हैं। खेतों की तैयारी के लिए ट्रैक्टर वगैरह की व्यवस्था किसानों को किराये पर ही करनी पड़ती है। भारतीय कृषि को अनियमित वर्षा, अपर्याप्त सिंचाई, मृदाक्षरण, विविध प्रकार कि खेती पद्धति अनुचित फसल तकनीकी और घटती कृषि योग्य भूमि सहित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कृषि उत्पादन में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आता है। भारतीय किसानों को कई प्रकार कि चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऋण और बाजार तक सीमित पहुँच, अनियमित मानसून पर निर्भरता, उच्च इनपुट लागत जैसे उर्वरक और बीज, कम और अस्थिर फसल मूल्य, और कर्ज का बोझ, जिसके कारण अक्सर किसान आत्म हत्यायें करते हैं। भारत में किसानों का वर्तमान मुद्दा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की गारंटी। किसान एक ऐसे कानून की मांग कर रहे हैं जो सभी फसलों के लिए न्यूनतम मूल्य की गारंटी सुनिश्चित करे। यह कानूनी आश्वासन उनकी आय की रक्षा करेगा और कृषि बाजारों में स्थिरता प्रदान करेगा। कृषि में तीन सबसे आम पर्यावरणीय समस्याएं हैं। जैसे कि फसल की वृद्धि का चरण, जलवायु परिवर्तन, कीट और फसल रोग, इन समस्याओं के जोखिम और सीमा को निर्धारित करते हैं। किसान हमारे देश के आधार स्तंभ हैं। जो पूरी जिंदगी भर देश में रहने वाले सभी लोगों के लिए खाद्यान्न उत्पन्न करने के लिये कड़ी से कड़ी मेहनत करते हैं। भारत में लगभग दो तिहाई आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर ही निर्भर रहती है। वे भोजन, चारा, और अन्य कच्चे माल का उत्पादन करते हैं। और वही उनकी आय का प्रमुख श्रोत होता है। देश कि जमीन से निरंतर जुड़े हुए किसानों की हर समस्याओं पर, कठिनाइयों पर, और वाजिब मांगों पर चुने हुए जनप्रतिनिधि और सरकार समाधान के लिए हृदय से विचार करे तभी हमारा देश विश्व में तरक्की करते हुए समृद्धि और शक्तिशाली राष्ट्र बनेगा।

लीना जैन ने लॉन्च की परफ्यूम की खुशबू जोड़ी गंगा और जोगी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लीना जैन द्वारा परफ्यूम की दुनिया में पहली खुशबू जोड़ी के लॉन्च की घोषणा की गई है ' गंगा और जोगी परफ्यूम की एक जोड़ी जो भारत के किफायती लक्जरी सेगमेंट में एक संवेदी क्रांति की शुरूआत है। फ्रैगेंटा एक ऐसा आंदोलन है जो विलासिता को नए सिरे से परिभाषित करता है, पश्चिमी रूढ़िवादिता से हटकर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैभव के सर्वोच्च रूप में मनाता है। सुगंध और भारत के मिश्रण से जन्मा, फ्रैगेंटेंट नाम ब्रांड के उस मिशन का प्रतीक है जो घरेलू शाहीपन प्रदान करता है, विश्व स्तरीय फॉर्मूलेशन जो भावनात्मक रूप से गूंजते हैं, भारतीय परंपराओं में गहराई से निहित हैं, फिर भी आधुनिक, समझदार उपभोक्ता के लिए तैयार किए गए हैं। किफायती लक्जरी क्षेत्र में विशिष्ट रूप से स्थित, फ्रैगेंटा पुरानी यादों, अपनेपन और भावनात्मक कहानी कहने से ओतप्रोत आत्मा के साथ विश्व स्तर पर मानकीकृत गुणवत्ता का वादा करता है। लीना जैन, संस्थापक, फ्रैगेंटा कहती हैं फ्रैगेंटा का जन्म एक सरल लेकिन प्रभावशाली विचार से हुआ है कि विलासिता को आकांक्षापूर्ण होने के लिए विदेश से आने की जरूरत नहीं है। भारत की सुगंध, कहानियाँ और आत्मा दुनिया को प्रेरित करने के लिए पर्याप्त समृद्ध हैं। गंगा और जोगी के साथ, हम केवल परफ्यूम ही लॉन्च नहीं कर रहे हैं, बल्कि ऐसे भावनात्मक अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं जो पुरानी यादें, गर्व और पहचान जगाते हैं। फ्रैगेंटा भारत की संवेदी विरासत के प्रति मेरा समर्पण है, जिसे आधुनिक, जागरूक ग्राहकों के लिए नए सिरे से कल्पित किया गया है। फ्रैगेंटा यहां प्रतिष्ठा की आयातित धारणाओं को चुनौती देने के लिए है - और इसके बजाय, भारत को एक ऐसी विलासिता का उपहार देने के लिए है जो घर जैसा महसूस कराती है' इस मौके पर लॉन्च में विंदू दारा सिंह, नवीन प्रभाकर, मृणाल देशराज, डॉ. अनिल मुरारका, रामजी गुलाटी, धरती गुलाटी, अंकिता मैथी, प्रियंका बजाज, प्रशांत वीरेंद्र शर्मा, सिद्धार्थ बजाज, श्वेता पंडित, अर्शी खान, रोहित वर्मा, माधुरी पांडे, रेहान शाह, कविता वर्मा, आरती नागपाल, नवप्रीत कौर, दीपक सिंह, गुरप्रीत कौर चड्ढा, अदिति शेट्टी, राकेश पॉल, विकास वर्मा, मिताली की उपस्थिति देखी गई। नाग, राजीव रोडा, विपिन अनेजा, गुलफाम खान, निवेदिता बसु, नासिर खान, दिव्यांक पाटीधर और कई अन्य।

रानभाजियों व पारंपरिक खाद्य महोत्सव के माध्यम से आदिवासी समुदाय को मिला रोजगार का सुनहरा अवसर

पालघर(उत्तरशक्ति)। राज्य सरकार के आदिवासी विकास विभाग के निर्देशानुसार, महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में रानभाजी एवं पारंपरिक खाद्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रानभाजियों, वनऔषधियों, पारंपरिक अनधान्य और फलों को सब्जी नैचरल जैसे प्रीमियम ब्रैंड के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराना और आदिवासी समाज को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इसी कड़ी में एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प, जव्हार के अंतर्गत वाडा, मोखाडा, विक्रमगड और जव्हार तहसीलों की महिलाओं की भागीदारी से 25 जुलाई 2025 को मोखाडा तहसील के पलसपाडा गांव में प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत बने बहुउद्देशीय सभागृह में यह भव्य महोत्सव आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प, जव्हार तथा परिवर्तन महिला संस्था, मोखाडा द्वारा न्यूक्लियस बजट योजना 2025-26 (केंद्रीय वित्तीय योजना) के अंतर्गत किया गया था। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में विधायक हरिश्चंद्र भोये तथा प्रकल्प अधिकारी एवं सहायक जिलाधिकारी डॉ. अपूर्वा बासुर उपस्थित थीं। विधायक भोये ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रानभाजियाँ एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थ पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और हमारे पूर्वजों का स्वास्थ्य इसी शुद्ध आहार की देन था। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी लोग अपने दैनिक आहार में इन खाद्य पदार्थों को शामिल कर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं। प्रकल्प अधिकारी डॉ. अपूर्वा बासुर ने महिलाओं द्वारा प्रस्तुत खाद्य वस्तुओं की सराहना की और एक अभिनव प्रस्ताव रखते हुए कहा कि, जो लोग नियमित रूप से रानभाजी का सेवन करते हैं, उनके लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की जाए और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाए। इस पहल से समाज में रानभाजियों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और मोखाडा तहसील को कुपोषणमुक्त बनाने में एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगा। महोत्सव के दौरान आयोजित खाद्य स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाली महिलाओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा प्रोत्साहन पुरस्कार विधायक भोये और प्रकल्प अधिकारी डॉ. अपूर्वा बासुर के हाथों भेंट किए गए। कार्यक्रम में महिला वर्ग की भारी भागीदारी देखने को मिली। इस कार्यक्रम की सफलता में सहायक प्रकल्प अधिकारी दीपक टिके, कार्यालय अधीक्षक शयोगेश भोये, आदिवासी विकास निरीक्षक महेश वराडे, संतोष तीर्थाप, परिवर्तन महिला संस्था की प्रमुख परचुरे मैडम, ग्रामपंचायत पलसपाडा के सरपंच, उपसरपंच, पूर्व पंचायत समिति सभापति डामसे, ग्रामविकास अधिकारी मंगेश पाटील तथा अनेक स्थानीय नागरिकों ने अहम भूमिका निभाई।

नितिन गडकरी से मिले डॉक्टर हेमंत सवरा, दिल्ली-मुंबई एक्प्रेसवे पर की चर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ डॉक्टर हेमंत सांवरा ने बैठक की और बुनियादी ढाँचे के विकास तथा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को भिवंडी-वाड़ा मार्ग से सीधे जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की।

भिवंडी-वाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 848 है, जो औद्योगिक, वाणिज्यिक और कृषि उद्देश्यों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। हालाँकि, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बहुत पास से गुजरने के बावजूद, इस तक सीधी पहुँच नहीं है। परिणामस्वरूप, स्थानीय निवासियों, किसानों, व्यापारियों और औद्योगिक क्षेत्र को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

हालाँकि एक्सप्रेसवे भिवंडी-वाड़ा मार्ग के केवल 8 किमी से होकर गुजरता है, फिर भी कोई सीधी पहुँच नहीं है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को लंबा चक्कर लगाकर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना पड़ता है, जिससे समय और ईंधन की भारी बबार्दी हो सकती है। भिवंडी शहर में यातायात की भीड़ बढ़ रही है और यात्रा का समय और लागत बढ़ सकती है। औद्योगिक विकास के अवसर सीमित होते जा रहे हैं और कई कंपनियाँ स्थानांतरित हो सकती हैं। किसानों को अपनी कृषि उपज के परिवहन में अतिरिक्त लागत और समय लग सकता है। इस समस्या के समाधान के लिए मेरे द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। भिवंडी-वाड़ा मार्ग पर लामाज गाँव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे तक सीधी पहुँच प्रदान की जानी चाहिए। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे देश की संचार और औद्योगिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। यदि भिवंडी-वाड़ा मार्ग पर एक सीधा प्रवेश द्वार बनाया जाता है, तो पूरे क्षेत्र का तेजी से विकास होगा और स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और किसानों की प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। इस संबंध में सकारात्मक चर्चा हुई है और उम्मीद है कि जल्द ही आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

2034 तक का लक्ष्य: सहकारिता से GDP में 3 गुना वृद्धि और 50 करोड़ सदस्य, युवाओं को रोजगार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 के ऐतिहासिक अनावरण के साथ सहकारिता क्षेत्र के लिए एक नई दिशा और व्यापक दृष्टिकोण की घोषणा कर दी है। यह नीति मोदी सरकार की सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को मूर्त रूप देने की दिशा में एक मील का पत्थर है। इस नीति की आत्मा को यदि किसी ने आकार दिया है, तो वे हैं अंत्योदय के सिद्धांतों पर चलने वाले अमित शाह, जिनकी दूरदृष्टि, रणनीतिक क्षमता और कार्य-निष्ठा ने इसे जमीन से जुड़ा, समावेशी और भविष्य के भारत के अनुरूप बनाया है।

यह उल्लेखनीय है कि 2002 में जब देश में पहली सहकारिता नीति लाई गई थी, तब स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और आज, जब देश 2025 में दूसरी सहकारिता नीति के साथ आगे बढ़ रहा है, तब भी देश का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार के हाथों में है। सहकार के क्षेत्र में प्राण फूँकने वाले अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय ने मात्र चार वर्षों में जो कायापलट किया है, वह स्वतंत्र भारत के इतिहास में अभूतपूर्व है। कभी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा यह क्षेत्र अब कॉर्पोरेट सेक्टर के समकक्ष खड़ा है। सहकारिता के क्षेत्र से वर्षों से गहराई से जुड़े और जमीनी वास्तविकताओं की स्पष्ट समझ रखने वाले अमित शाह ने यह सुनिश्चित किया कि यह नीति केवल कागज पर सीमित न रहे।

कोंकण क्षेत्र के समग्र विकास हेतु निर्णायक बैठक में शामिल हुईं स्नेहा दुबे पंडित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्षा निवासः महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में कोंकण क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कोंकण क्षेत्र के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए ठोस रणनीति बनाना और आगामी विकास योजनाओं पर विचार-विमर्श करना था। बैठक में स्नेहा दुबे पंडित ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कोंकण क्षेत्र के विकास में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने स्थानीय स्तर पर चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति, आवश्यक अधोसंरचना, और नागरिकों की प्राथमिक आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे, तथा कोंकण क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य विधायकगण भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर क्षेत्रीय विकास, सड़क संपर्क, पर्यटन, और रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार साझा किए। बैठक का समापन ठोस नीतियों और आगामी विकास परियोजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने के संकल्प के साथ हुआ।

दिनदहाड़े हुई चोरी का बोईसर पुलिस ने किया खुलासा

दो शातिर चोर गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर क्षेत्र में 4 जुलाई को दिनदहाड़े हुई लाखों की चोरी की वारदात को बोईसर पुलिस ने बेहद तत्परता और कुशलता से सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर करीब 4 लाख 67 हजार रूपए मूल्य के चोरी किए गए गहनों और नकदी में से बड़ा हिस्सा बरामद कर लिया है।

यह वारदात बोईसर पूर्व के नावापुर नाका क्षेत्र की सिद्धिविनायक सोसायटी में स्थित रूम नं. 007 में 4 जुलाई को शाम 4 से 6 बजे के बीच घटी थी। पीड़िता मंजू दिनेश पुरोहित (उम्र 31 वर्ष) जब घर पर नहीं थीं, उसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर अलमारी से कीमती सोने के गहने और नकदी चोरी कर ली थी। इस घटना की शिकायत पीड़िता ने बोईसर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, चोरों ने

करीब 4लाख 67 हजार रूपए कीमत की संपत्ति पर हाथ साफ किया था, जिसमें सोने के गहने और नकदी शामिल थे।मामले की गंभीरता को देखते हुए बोईसर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो मुख्य आरोपियों धोनी उर्फ 'पाजी' (निवासी आजाद नगर, बोईसर) व बच्चा सिंह सोडी (उम्र 22 वर्ष) की पहचान कर ली। दोनों को गिरफ्तार कर जब कड़ी पूछताछ की गई तो उन्होंने एक और साथी कार्तिक राकेश मारू (निवासी नालासोपारा पश्चिम, उम्र 22 वर्ष) का नाम उजागर किया। बोईसर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे भी गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान कार्तिक के पास से 6.5 तोला सोने के गहने बरामद हुए। पुलिस के अनुसार धोनी उर्फ पाजी के खिलाफ पहले से 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं कार्तिक मारू पर भी एक मामला पहले से दर्ज है। इनकी गिरफ्तारी से बोईसर और आसपास के क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की वारदातों से भी जुड़े सुराग मिलने की संभावना जताई जा रही है। उक्त कार्रवाई को सफल बनाने में पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले और बोईसर उपविभागीय पुलिस अधिकारी विकास नाईक के विशेष मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार, उपनिरीक्षक चंद्रकांत हांके, विठ्ठल मणिकेरी, विजय दुबला, रमेश पाले, योगेश गावित, मयूर पाटील, देवेंद्र पाटील, धीरज सालुंखे, मच्छिंद्र घुगे, गणेश व्हसकोटी, और साइबर पुलिस स्टेशन के अधिकारी जिग्नेश ताबेकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मामले में और अधिक जांच पुलिस उपनिरीक्षक चंद्रकांत हांके द्वारा की जा रही है।

संतोष शेट्टी के हाथों मनपा स्कूल में पानी शुद्धिकरण मशीन का हुआ उद्घाटन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से एस. आर. ग्रुप ऑफ कंपनीज द्वारा भिवंडी महानगरपालिका स्कूल नंबर ५४ रावजी नगर में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल सुविधा प्रदान करने हेतु पानी शुद्धिकरण मशीन का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उद्घाटक रमाकांत पांडा और प्रमुख अतिथियों में रमाकांत पांडा, पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी, हर्षल पाटिल और प्रशांत लाड के द्वारा किया गया। सभी अतिथियों ने इस नेक कार्य की सराहना की। विद्यालय प्रशासन एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने इस सराहनीय कार्य के लिए एस. आर. ग्रुप ऑफ

कंपनीज के चेयरमैन रमाकांत पांडा, बिस्वारंजन पांडा और जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी मंगेश यादव एवं विनोद येनागंदला के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। यह पहल विद्यार्थियों को सुरक्षित और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण में निश्चित रूप से सुधार होगा। कार्यक्रम में शिवम झा, बिपिन पटेल सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी पी डी यादव, मुकेश झा, समीर शेख, धीरेंद्र पाल, अर्जुन सब्बानी , मनीष यादव , सोनू पासी, पवन यादव आदि लोग उपस्थित थे ।

पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव को मरणोपरांत समाज भूषण पुरस्कार से किया गया सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल के संस्थापक पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव को संत रोहिदास सामाजिक संस्था द्वारा मरणोपरांत समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बतादें कि यह पुरस्कार पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव को सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। अन्नासाहेब के बेटे और संगठन के वर्तमान अध्यक्ष विजय जाधव ने राज्य के वन मंत्री गणेश नाइक के शुभ हाथों से पुरस्कार स्वीकार किया। इस अवसर पर मंच पर सांसद डा. हेमंत सावरा, पूर्व विधायक हितेंद्र ठाकुर, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बबन नाइक, पूर्व चार्टर्ड अधिकारी डा. किरण जाधव, समारोह के अध्यक्ष राजाराम मुकणे, संत रोहिदास सामाजिक संस्था के अध्यक्ष संदेश जाधव, अध्यक्ष भगीरथ भोईर, मुख्य सलाहकार दीपक खांबित सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। संत रोहिदास सामाजिक संस्था का रजत जयंती समारोह हाल ही में वसई में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर दलित मित्र स्वर्गीय

उल्हासराव भोईर, स्वर्गीय नारायण भोईर, शाहिर पांडुरंग वनमाली, राघोबा वनमाली, शिक्षाविद् एम.डी.भोईर, महादेव खर्डीकर और समाज के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास में योगदान देने वाले कई अन्य लोगों को मरणोपरांत समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान चर्मकार समाज की रीति-नीति तथा समाज का समाज भूषण नामक दो पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। संत रोहिदास सामाजिक संस्था ने शिक्षण महर्षि पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव को मरणोपरांत समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अपने उत्तराधिकारी के रूप में इस पुरस्कार को स्वीकार करने का सम्मान देने के लिए संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विजय जाधव ने कहा कि यह पुरस्कार देकर उन्होंने अन्ना के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए मुझे प्रोत्साहित करके मेरी जिम्मेदारी बढ़ा दी है।

संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष बालकृष्ण काले, महासचिव आरएन पिंजारी, रोहित जाधव, प्रभारी प्राचार्य डा. सुवर्णा रावल, उप-प्राचार्य डा. सुधीर निकम, डा. सुरेश भदरगे, डा. निनाद जाधव, डा. कुलदीप राठौड़, नरेश शिरसाले जूनियर कॉलेज के पर्यवेक्षक एम.ओ. महाले, केपी अहिरे, श्रीकांत पाटिल आदि के साथ-साथ कालेज के सभी प्राध्यापकों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने विजय जाधव को संस्थापक पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव से मरणोपरांत यह सम्मान प्राप्त करने पर बधाई दी है।

देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर वसई-विरार में रक्तदान शिविरों का आयोजन

वसई रोड। मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा ही संगठन की भावना को केंद्र में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र द्वारा वसई-विरार जिले में 12 स्थानों पर भव्य रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। यह आयोजन भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रवींद्र चव्हाण जी के मार्गदर्शन में किया गया। विरार पश्चिम में आयोजित इन रक्तदान शिविरों का दौरा वसई विधानसभा चुनाव अध्यक्ष मनोज पाटिल ने किया। नालासोपारा पश्चिम मंडल, विरार पश्चिम मंडल, विरार पूर्व मंडल और वसई पश्चिम मंडल के तहत आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर नालासोपारा के विधायक राजन नायक, मंडल अध्यक्ष सतीश सिंह, विशाल राऊत, मनीष वैद्य, आशीष जोशी, वरिष्ठ नेता हरेंद्र पाटिल, जोगेंद्र प्रसाद चौबे, अजीत अस्थाना, दिलीप गायकवाड़, प्रकाश वझे, विनीत तिवारी समेत भाजपा के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह आयोजन भाजपा की सेवा और

सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का परिचायक है और जनसेवा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए मराठी नामफलक अनिवार्य

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र सरकार के महाराष्ट्र दुकानें व आस्थापन (नौकरी व सेवा शर्ती का विनियमन) अधिनियम, 2017 की धारा 36(क)(1) के अनुसार, राज्य के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए देवनागरी लिपि में मराठी भाषा में नामफलक लगाना अनिवार्य है। हाल ही में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट्स के अनुसार कई होटलों, दुकानों व अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा था। इसके परिप्रेक्ष्य में कामगार उप आयुक्त, पालघर के निदेर्शानुसार जिले में विशेष जांच मुहिम शुरू की गई। इस मुहिम के तहत कई स्थानों पर होटलों, दुकानों और अन्य आस्थापनाओं की जांच की गई। जिन प्रतिष्ठानों ने मराठी नामफलक नहीं लगाए थे, ऐसे 65 व्यावसायिक आस्थापनाओं को तात्काल सुधार के लिए नोटिस जारी किए गये हैं। कामगार विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित प्रतिष्ठान जल्द से जल्द मराठी नामफलक नहीं लगाते हैं, तो उनके खिलाफ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह विशेष मुहिम आगामी दिनों तक जारी रहेगी। कामगार उप आयुक्त, पालघर ने सभी प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे अनावश्यक कार्रवाई से बचने के लिए अपने प्रतिष्ठानों पर तुरंत देवनागरी लिपि में मराठी नामफलक लगाएं।

लापता सूचना

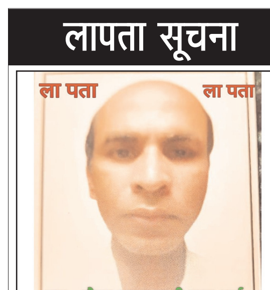

विक्रोली पार्कसाईट स्थित आनंदगढ़ के संकल्प हाउसिंग सोसायटी के रहिवासी गौतम कुमार मुरारीलाल शर्मा (49 वर्ष) 25 जुलाई 2025 दिन शुक्रवार को सुबह 7 बजे घर से दूध लेने के लिए निकले उसके बाद वापस नहीं आए घर वाले बहुत परेशान है। जिस किसी सज्जन को गौतम कुमार मुरारीलाल शर्मा के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया इस मो. न.992085 1251/93 24631 006 पर संपर्क करने की कृपा करें।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी में साइबर अपराधियों पर कसा शिकंजा, 25 गिरफ्तार, 2 करोड़ की रोकी गई ठगी

पुलिस कमिश्नर ने की समीक्षा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। ज़िले के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने साइबर थाना एवं साइबर सेल की वार्षिक कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने साइबर अपराध की रोकथाम और त्वरित कार्रवाई हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए। साइबर थाना पुलिस की ओर से जालसाजों पर प्रभारी कार्रवाई की जा रही है। 25 को गिरफ्तार करने के साथ ही 2 करोड़ रुपये की ठगी रोकी गई।

साइबर क्राइम की टीम ने 25 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इसमें 10 के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। 2 करोड़ की साइबर ठगी को समय रहते रोकने में सफलता हासिल करते हुए धनराशि अपराधियों के खातों में जाने से पहले फ्रीज कर दी गई। 288 संदिग्ध मोबाइल नंबरों की तकनीकी जांच के बाद उन्हें ब्लॉक किया गया, जिससे वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाओं पर अंकुश लगा। पुलिस

सोशल मीडिया पर 110 से अधिक फर्जी प्रोफाइल हटवाए गए, पीड़ितों को राहत प्रदान की गई। 48 से अधिक साइबर जागरूकता शिविरों का आयोजन कर 5000 से अधिक छात्र-छात्राओं व नागरिकों को साइबर सुरक्षा के उपाय बताए गए।

पुलिस कममिश्नर ने निर्देशित किया कि लंबित मामलों में शीघ्र विवेचना पूरी की जाए, गिरफ्तार अपराधियों की चल-अचल संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई करें। स्थायी निगरानी हेतु अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली जाए। साथ ही, पुलिसकर्मियों को आधुनिक साइबर अपराधों की Modus Operandi और उनके रोकथाम उपायों पर प्रशिक्षण देने पर भी बल दिया गया। बैठक के माध्यम से पुलिस प्रशासन ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि साइबर अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

वर्ल्ड आईवीएफ-डे पर आशीर्वाद हॉस्पिटल में जागरूकता कार्यक्रम, निःसंतान दंपत्तियों के लिए नई उम्मीद

25 जुलाई 1978 में दुनिया का पहला आईवीएफ से जन्मा बच्चा लुईस ब्राउन पैदा हुआः डॉ.अंजू

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।पॉलिटेक्निक चौराहे स्थित आशीर्वाद हॉस्पिटल एंड आईवीएफ फर्टिलिटी सेंटर में वर्ल्ड आईवीएफ डे के अवसर पर शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. अंजू कन्नौजिया ने निःसंतान दंपत्तियों को संतान प्राप्ति के लिए आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) तकनीक की जानकारी देते हुए कहा, मां बनना हर महिला का सपना है और आईवीएफ उस सपने को साकार करने की एक वैज्ञानिक राह है।

कार्यक्रम में आईवीएफ के जरिए मातृत्व प्राप्त कर चुकी महिलाओं को सम्मानित किया गया। इन महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस तरह उन्होंने सामाजिक दबाव और मानसिक तनाव का सामना किया और आईवीएफ तकनीक से अपने जीवन में नई रोशनी लाई। उनकी खुशी और आत्मविश्वास ने समारोह का माहौल भावनात्मक कर दिया।

डॉ. अंजू ने बताया कि हर साल 25 जुलाई को वर्ल्ड आईवीएफ डे मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 1978 में दुनिया का पहला आईवीएफ से जन्मा बच्चा लुईस ब्राउन पैदा हुआ था। यह दिन उन वैज्ञानिकों को भी समर्पित है जिन्होंने इस क्रांतिकारी तकनीक को सफल बनाया। उन्होंने बताया कि आईवीएफ पूरी तरह सुरक्षित है और हजारों दंपत्तियों के लिए संतान प्राप्ति का वरदान साबित हो चुकी है। डॉ. अंजू ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि समाज में निःसंतानता को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना और दंपत्तियों को भावनात्मक सहारा देना है। कार्यक्रम में डॉ. अंजना सिंह, समाजसेवी ऊर्वशी सिंह, आरडी चौधरी, सुनील चौधरी, मोहम्मद अजहर, ओम निगम, सुनील यादव, पिंटू कन्नौजिया, अभिलाष सिंह सहित कई गणमान्य लोग एवं हॉस्पिटल स्टाफ मौजूद रहे।

अंत में आशीर्वाद हॉस्पिटल के डॉ. विनोद कुमार (ऑर्थोपेडिक सर्जन) ने आए हुए सभी अतिथियों एवं का आभार व्यक्त किया।

देश की सुरक्षा में सभी की हो भागीदारी: जिलाधिकारी

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन के

तत्वावधान में शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मीडिया से बातचीत में जिलाधिकारी ने कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने दुश्मन देश को परास्त कर भारत की अस्मिता की रक्षा की थी। यह दिन हमारे गौरव और शौर्य का प्रतीक है। यदि भविष्य में कोई राष्ट्र भारत की ओर बुरी नजर डालेगा, तो हमारे सैनिक फिर से उसे करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान की बदौलत आज हमारा देश सुरक्षित है। देश की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए राष्ट्र के साथ खड़ा होना चाहिए।

सेंट जेवियर्स स्कूल खेतासराय में ड्रेस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

◆ छात्रों ने दिखाई अद्भुत रचनात्मकता, निर्णायकों ने की सराहना

निशानाथ

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्बे के सेंट जेवियर्स स्कूल, खेतासराय में शनिवार को रंगारंग ड्रेस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने विविध और कल्पनाशील वेशभूषाओं के माध्यम से अपनी रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यालय के निदेशक प्रशांत गौरव ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहन देना तथा उनके भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करना था। उन्होंने कहा, इस प्रकार की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में रहीं नेहा बरनवाल और कृति शुक्ला ने सांस्कृतिक

कार्यक्रम जो जच किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका अर्चना मिश्रा ने किया। इस अवसर पर नाजिया बानो, तरन्नुम, आदित्य मिश्रा, श्वेता सहित दीपिका गुप्ता,आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य शशिकांत झा ने सभी आगंतुकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

बहु उपयोगी है सहजन का पेड़, जिलाधिकारी ने लोगों को पौधा देकर लगाने पर दिया जोर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में फरियादियों और वादकारियों

में सहजन के पौधे का वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने सहजन के पौधे के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि सहजन के पौधे में विटामिन ए.बी.सी. आयरन, एन्टीबायोटिक, एन्टीडायबिटिक, एन्टीआक्सीडेन्ट के साथ ही कैल्सियम की मात्रा दूध से भी अधिक पायी जाती है।यह पौधा औषधीय गुणों से भरपूर होता है। सहजन के पत्ते का सेवन काढे के रूप में और फली को सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में इसका प्रयोग करने के लिए बढ़ावा देना है, जिससे इस औषधीय पौधे के महत्ता को जन जन तक पहुंचाया जा सके। इसके सेवन से महिलाओं, बच्चों और वृद्धजनों में कुपोषण की समस्या नही होती है और गठिया का रोग भी ठीक हो जाता है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया है कि सहजन का पौधा लगाये और इसका उपयोग भी करे। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से वृहद स्तर पर जनपद में पौधरोपड़ किया गया है, सभी जनपदवासी भी एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाये। इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी शालिनी चौरसिया, वन दरोगा राजेन्द्र प्रसाद यादव, वन रक्षक अमन यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक

महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रीमान पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर

गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया।

प्रमुख बिंदुः महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गईःमुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला, पेंशन योजना,राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गए। वीमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपात सेवा-112, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर हेल्पलाइन-1930

सहभागिता एवं संवादः अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। उपस्थित नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की।

जनपद पुलिस की प्रतिबद्धताः जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति के तहत निरंतर जारी रहेगा, ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।सोशल मीडिया सेल जनपद जौनपुर।

अनियंत्रित पिकअप ने बाइक सवार तीन को रौंदा, एक मासूम की मौत और दो गंभीर

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप के जद में आकर एक मासूम काल के गाल में समा गया।जबकि दो अन्य बुरी तरह घायल हो गए। शाहगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम जमदहां निवासी करिश्मा पत्नी कमलेश अपने चार वर्षीय पुत्र कार्तिक और अपने जेठ के साथ एक बाइक पर सवार होकर शनिवार की दोपहर किसी काम से शाहगंज आये थे। काम करके वह वापस अपने घर जा रहे थे कि फैजाबाद रोड गौरव हास्पिटल के निकट पीछे से आ रही एक तेज रफ़्तार अनियंत्रित पिकप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी।जिससे बाइक पर सवार तीनो गिर कर बुरी तरह घायल हो गए।जबकि चार वर्षीय मासूम कार्तिक की मौके पर ही मौत हो गयी। और उसकी मां और ताऊ बुरी तरह घायल हो गए। घटना से आसपास के लोगों ने पिकप चालक को पिकप सहित घेर कर पकड़ लिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। और घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं पिकप चालक को हिरासत में लेकर और पिकप को कब्जे में लेकर कोतवाली लाया गया।जहां आगे की कानूनी कार्यवाई की जा रही है।यातायात पुलिस की लापरवाही से रोज जिले में लोग गंवा रहे है सड़क पर जान।

पथरगड्डी उखाड़ने में तीन पर केस

खुटहन ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मलूकपुर गांव में खेत की पथरगड्डी उखाड़ कर फेंक दिए जाने के मामले में उप जिलाधिकारी शाहगंज के आदेश पर पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव निवासी अशोक कुमार ने तहसील दिवस पर प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि उसके खेत की पथरगड्डी गत छह जून को राजस्वकर्मियों की मौजूदगी में कराई गई थी। जिसे गांव के फागू, विजय और मुरली ने उखाड़ कर फेंक दिया था। एसडीएम के आदेश पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

किशोरी को भगा ले जाने के आरोपित पर केस दर्ज

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के एक गांव से एक सप्ताह पूर्व गायब हुई किशोरी के मामले में उसके पिता के द्वारा दी गई नामजद तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। किशोरी के पिता का आरोप है कि बनकठा गांव निवासी मनोज गौतम का उसके घर आना जाना था। वह मौका पाकर 17 वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया।

महराजगंज पुलिस व एसटीएफ लखनऊ को मिली सफलता

दो शातिर अपराधी को 4 पिस्टल, रिवाल्वर व मैगजीन संग गिरफ्तार, मोबाइल व बाइक बरामद

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय, थाना महराजगंज व एसटीएफ टीम मुख्यालय लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा डड़वा मोड़ पर चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान 1. प्रमोद तिवारी उर्फ बल्ली पुत्र लालजी तिवारी निवासी ग्राम उसरौली पोस्ट पठकौली थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ 2. राघवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र रणविजय सिंह निवासी

ग्राम व पोस्ट ताला थाना कंधई जनपद प्रतापगढ़ को दिनांक 25.07.2025 को गिरफ्तार किया गया। आरोपी उपरोक्त के कब्जे से 04 पिस्टल मय मैगजीन 7.65एमएम, 01 रिवाल्वर 0.32 बोर, 03 मैगजीन, 04 जिन्दा कारतूस 7.65एमएम, कारतूस , 04 मोबाईल, एक मोटर साइकिल नं0 यूपी72 बीयू9123 बरामद हुआ, अवैध/नाजायज असलहे कारतूस व मैगजीन की बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-133/25 धारा 3/5/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के लिए 24 जुलाई से 14 अगस्त तक करें आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य शाहिद जमाल ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन विभागीय पोर्टल पर 24 जुलाई 2025 से 14 अगस्त 2025 तक आमंत्रित किये जा रहे, जिसमें मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषाद राज बोट सब्सिडी योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरियेशन सिस्टम की स्थापना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याणकोष अन्तर्गत मछली विक्रय हेतु मोपेड विद आईस बाक्स परियोजना, अन्तर्राज्यीय भ्रमण, दक्षता विकास, प्रर्दशनी एवं सेमीनारों के लिए मत्स्य पालकों/मछुआरा का प्रशिक्षण/भ्रमण कार्यक्रम। उपरोक्त योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु योजनावार आवेदन पृथक-पृथक करने होगे। योजना अन्तर्गत परियोजना का विवरण, ईकाइ लागत, आवेदन की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण को विभागीय वेबसाइट http:feeisheries.up.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त योजना में विभागीय वेबसाइट http:feeisheries.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन 24 जुलाई 2025 से 14 अगस्त 2025 तक किया जा सकता है।

राष्ट्रवादी नौजवान सभा की प्रथम बैठक में लिए गए कई महत्त्वपूर्ण निर्णय

भगत सिंह के विचारों से प्रेरित, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक सद्भाव पर चर्चा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी नौजवान सभा की प्रथम बैठक शनिवार को लाइनबाजार स्थित जिलापंचायत के डाक बंगले में आयोजित हुई जो राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह की निर्देशन में संपन्न हुई। इस दौरान श्री सिंह ने कहा कि देश के प्रति समर्पित युवा हमारे राष्ट्र की नींव हैं जिनकी भूमिका सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अहम है। इसी क्रम में बैठक को संबोधित करते हुए प्रबंधक प्रमोद शुक्ला ने कहा सरकार की जिम्मेदारी है कि आम आदमी शिक्षा चिकित्सा सस्ते दर पर मिले। वहीं जिला संरक्षक अशोक सिंह सेउर ने कहा देश को आगे बढ़ाने में युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, सामाजिक सेवा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इसके अतिरिक्त इस बैठक में देशभक्ति, स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों और सामाजिक न्याय के प्रति भगत सिंह

के क्रांतिकारी विचारों को केंद्र में रखा गया। जिलाध्यक्ष साजन शर्मा ने कहा भगत सिंह का जीवन और उनके विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। हमारा उद्देश्य उनके बलिदान को याद रखते हुए एकजुट होकर देशहित में कार्य करना है। बैठक में युवाओं ने देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने भगत सिंह के लेखों और भाषणों का उल्लेख करते हुए युवाओं से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में कारगिल में बलिदानी सैनिक को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।संचालन अशोक सिंह ने किया इस अवसर पर प्रमुख रूप से पुष्पेंद्र सिंह, डा अब्बासी, रमेश बिंद, पिंटू चौहान, उत्कर्ष सिंह, राजू यादव, नितेश कन्नौजिया आदि शामिल रहे।

फ्रैंको कंपनी के असंवैधानिक एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ यूपीएमएसआरए का ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को यूपीएमएसआरए जौनपुरी इकाई के सदस्यों ने फ्रैंको इंडियन फार्मास्यूटिकल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध जिलाधिकारी जौनपुर एवं पुलिस अधीक्षक जौनपुर को एक ज्ञापन दिया। यूपीएमएसआरए के लोगों ने बताया कि कंपनी भ्रष्टाचार कार्यों में लिप्त है एवं अपने धनबल के कारण कंपनी के एम्पलाई एवं यूपीएमएसआरए के नेताओं को एफआईआर एवं जेल में डालने की फर्जी धमकी दे रही है। जिसको लेकर तमाम सदस्यों ने को ज्ञापन के माध्यम से सूचना दी एवं कंपनी के असंवैधानिक एवं भ्रष्टाचार में लिप्त कई मुद्दों को उनके सामने रखा। हाल ही में कंपनी ने मुंबई में अपने हेड क्वार्टर

के पास फर्जी तरीके से जमीन और मकान को जबरदस्ती हथियाने की कोशिश की जिसमें कंपनी के तमाम अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर एवं जांच में पाया गया कि उनके पास अनाधिकृत हथियार एवं गोली बंदूक इत्यादि पाए गए साथ ही साथ कंपनी द्वारा अनैतिक एवं असंवैधानिक तमाम कार्यों के लिए भी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकर्षित किया। आज के ज्ञापन में साथी मनोज सिंह, अजय चौरसिया, अजय सिंह, राजेश रावत, विशाल साहू, आकाश साहू, अनूप श्रीवास्तव, विकास सिंह, अमित सिंह, विकेश यादव कि अहम भूमिका रही।

एंटी रोमियो टीम ने महाविद्यालय में पहुंच छात्राओं को किया जागरूक

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजामुर्रादगौर गांव स्थित स्व. वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय में पुलिस की एंटी रोमियो टीम ने पहुंचकर छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

महिला एसआई गोल्डी व एसआई मधुसूदन त्रिपाठी ने छात्राओं से संवाद कर साइबर क्राइम से बचाव के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930, पुलिस हेल्पलाइन 112 व वूमेन हेल्पलाइन 1090 के उपयोग के महत्व को समझाया। छात्राओं को फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनजान व्यक्तियों से सतर्क रहने, फ्रांड कॉल पर पैसे की मांग, ब्लैकमेलिंग जैसे मामलों में तुरंत पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई। साथी यह भी बताया की ओटीपी जैसे संवेदनशील जानकारी किसी अनजान के साथ साझा करें। छात्राओं से बोले की निडर होकर रहोगी तो उत्पीड़न नही हो सकेगा। अगर कोई उत्पीड़न करता है तो उसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्रबंधक व वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, प्राचार्य डॉ. आशुतोष उपाध्याय, सचिव योगेश सिंह, प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', डॉ. अंजना सिंह, गौरव उपाध्याय, मुकेश यादव, अमृता सिंह, डॉ. संगीता सिंह, संजू गुप्ता, श्वेता पटेल, संगीता स्नेहा मिश्रा, राजेश सिंह, वीरेंद्र विश्वकर्मा समेत समस्त छात्राएं उपस्थित रही।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने निरीक्षण में लापरवाह पाए गए शिक्षकों का वेतन अवरुद्ध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल द्वारा 26 जुलाई 2025 को विकासखंड सिकरारा, मछलीशहर एवं महराजगंज के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक उपस्थिति, छात्रों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन की स्थिति एवं भौतिक संसाधनों की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करना था। कंपोजिट विद्यालय मानसापुर, सिकरारा का निरीक्षण प्रातः 8:00 बजे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। विद्यालय में बीएसए द्वारा प्रार्थना सभा आयोजित कराई गई। विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, सहायक अध्यापक राजेन्द्र प्रताप सिंह एवं शैलेश कुमार सिंह निरीक्षण के समय अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। उनका निरीक्षण तिथि का वेतन अवरुद्ध कर दिया गया। श्रीमती मंजुला मौर्य एवं राजन सिंह 8:35 पर विद्यालय में उपस्थित हुए, जिन्हें कारण बताओ नोटिस निर्गत की गई। विद्यालय में स्वच्छता की कमी, टूटे हैंडवॉश, क्षतिग्रस्त झूला, तथा 84 नामांकित छात्रों में केवल 30 की उपस्थिति पाई गई। विद्यालय में प्राप्त उक्त गंभीर कमियों के कारण प्रभारी प्रधानाध्यापक का वेतन अग्रिम आदेश तक रोका गया एवं सभी कर्मियों के सुधार हेतु साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। विद्यालय परिसर में जर्जर भवन चिन्हांकित कर उसे हटाने/प्रयोग से वर्जित करने हेतु संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया। कंपोजिट विद्यालय डमरूआ, सिकरारा का निरीक्षण समयः 8:45 बजे किए जाने पर शैलेन्द्र कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह (सहायक अध्यापक) एवं वरुण कुमार (अनुदेशक) अनधिकृत रूप से अनुपस्थित मिले। उनका वेतन/मानदेय अवरुद्ध किया गया। विद्यालय में 308 में से 154 छात्र उपस्थित थे। रु0 75,000 की कंपोजिट धनराशि का आय-व्यय विवरण अद्यतन नहीं पाया गया। संबंधित प्रधानाध्यापक को सभी कमियों के सुधार हेतु निर्देशित किया गया। प्राथमिक विद्यालय सकलदेलहा (सिकरारा) का निरीक्षण समय 9:45 बजे किए जाने पर विद्यालय की समस्त व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। केवल छात्र उपस्थिति बढ़ाने हेतु निर्देश दिए गए। प्राथमिक विद्यालय विश्वपालपुर (मछलीशहर) का निरीक्षण समयः 10:30 बजे किए जाने पर विद्यालय में गुंबदाकार भवन प्रयोग में नहीं उपयोग किए जाने के संबंध में प्रधानाध्यापक एवं खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उक्त भवन की स्थिति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई तत्काल प्रभाव से की जाए। प्राथमिक विद्यालय पोखरा (महराजगंज) के निरीक्षण में विद्यालय में सभी शिक्षक उपस्थित, 116 नामांकित में से 101 छात्र उपस्थित मिले। विद्यालय स्वच्छ, एमडीएम मीनू के अनुसार, पंक्तिबद्ध भोजन व्यवस्था, रंगाई-पुताई उत्तम एवं टीएलएम का प्रभावी प्रयोग किया जा रहा था। कक्षा 5 के छात्र से गणित के प्रश्न पूछे जाने पर छात्र द्वारा प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया। बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक सहित समस्त स्टाफ की खुले मंच पर प्रशंसा की गई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल द्वारा कंपोजिट विद्यालय कठार, महराजगंज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए। विद्यालय में कुल 113 नामांकित छात्रों में से 75 छात्र उपस्थित मिले। मध्याह्न भोजन योजना माह के निर्धारित मीनू के अनुसार संचालित पाया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय परिसर में एक जर्जर भवन पाया गया। सुरक्षा की दृष्टि से बीएसए डॉ. पटेल द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी महराजगंज एवं जिला समन्वयक (निर्माण) को स्थल पर ही भवन के चिन्हांकन एवं तकनीकी मूल्यांकन हेतु तत्काल कार्यवाही प्रारंभ करने तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान भी विद्यालय में उपस्थित मिले। शिक्षा के प्रति उनके सकारात्मक रुझान एवं सक्रिय सहयोग को देखते हुए, संबंधित प्रधानाध्यापक को उनके साथ समन्वय बनाकर विद्यालय विकास के लिए कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता एवं उत्तरदायित्व में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहाँ लापरवाही मिलेगी, वहाँ कार्रवाई होगी, और जहाँ समर्पण व गुणवत्ता दिखेगी, वहाँ सम्मान भी मिलेगा।

63 केवीए का ट्रांसफार्मर ग्राम सराय भादी भदिया खरिहानी, आजमगढ़ में स्थापित

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के ग्राम सभा सराय भादी भदिया खरिहानी में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने हेतु 25 केवीए की जगह अब 63 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया है। यह कार्य सांसद धर्मेंद्र यादव एवं उनके प्रतिनिधि विपिन यादव के विशेष प्रयासों से संभव हो पाया। इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में खरिहानी हाइडिल के जेई एवं स्टाफ अधिकारी राज विजय यादव का भी विशेष योगदान रहा। साथ ही ग्राम प्रधान राम नवल यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव (उत्तर प्रदेश युवा संघ) एवं ग्राम सभा की जागरूक जनता ने भी सक्रिय सहयोग दिया। कैलाश चंद्रधारी यादव, उत्तर प्रदेश युवा संघ की ओर से, ग्राम प्रधान राम नवल यादव एवं समस्त ग्रामवासियों की तरफ से सांसद धर्मेंद्र यादव, विपिन यादव तथा विद्युत विभाग के कर्मठ अधिकारी राज विजय यादव को हृदय से धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दी। यह ट्रांसफार्मर ग्रामीणों को बेहतर विद्युत सेवा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जनता की सेवा में हमेशा दरवाजा खुला रहेगा: विधायक मुरजी पटेल

मुंबई। शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने शनिवार को अंधेरी (पूर्व) के एमआईडीसी, सुभाषनगर स्थित पार्टी कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन कर स्थानीय नागरिकों की बुनियादी समस्याओं को सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर विधायक मुरजी पटेल ने कहा, क्षेत्र का प्रतिनिधि होने के नाते मेरा कर्तव्य है कि मैं रागद्वेष से परे रहकर लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, अस्पताल और शिक्षा संबंधी मुद्दों का समाधान करूं। हमारे कार्यालय में आयोजित यह जनता दरबार हर शनिवार को होगा, जिसमें क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं सीधे रख सकेंगे। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि उनका दरवाजा हमेशा जनता की सेवा के लिए खुला है और विकास कार्यों में सभी से सहयोग की अपेक्षा है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने गुलदस्ता देकर विधायक पटेल का स्वागत किया और अपनी समस्याओं के संबंध में उन्हें लिखित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री दारा सिंह चौहान का जन्मदिन चौहान समाज ने संकल्प दिवस के रूप में मनाया

-नान बाबू चौहान

लखनऊ, (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार में कारागार मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता माननीय दारा सिंह चौहान के जन्मदिवस को चौहान समाज द्वारा संकल्प दिवस के रूप में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह आयोजन 25 जुलाई को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न जिलों और प्रदेशों से आए हजारों की संख्या में चौहान समाज के लोग शामिल हुए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों और चौहान समाज के वरिष्ठजनों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। मंच पर मंत्री दारा सिंह चौहान ने केक काटकर जन्मदिन की शुभकामनाएँ देने आए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा,आप सभी के स्नेह और आशीर्वाद से ही मैं समाज की सेवा में आगे बढ़ता रहूंगा। संगठन के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अटूट है। कार्यक्रम में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएँ दीं, और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान की सराहना की। इस आयोजन ने एकजुटता, संकल्प और सामाजिक चेतना का संदेश दिया, और चौहान समाज में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियों के संबंध में डीएम ने किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा टीडी डिग्री कॉलेज पहुंचकर 27 जुलाई 2025 को एक पाली में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी- 2023 की प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियों के संबंध में निरीक्षण किया गया।जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा 27 जुलाई 2025 को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक पाली में आयोजित होगी। जिले के 47 परीक्षा केंद्रों पर कुल 22,176 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा को पारदर्शी, नकल विहीन और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए 47 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 47 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीटिंग प्लान पूर्व में ही चेक कर लिया जाए । परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधा सुनिश्चित कर ली जाए जिससे परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार असुविधा का सामना न करना पड़े। आयोग के दिए गए दिशा निदेर्शानुसार के अनुसार परीक्षा संपादित कराई जाएगी, किसी भी प्रकार की अवहेलना की दशा में कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। केंद्र व्यवस्थापक संवेदनशीलता बरतते हुए परीक्षा संपन्न कराएंगे। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी अधिकारी, कार्मिक समय से परीक्षा केन्द्रो पर पहुंचकर परीक्षा को शूचितापूर्ण, नकल विहीन तरीके से संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुराने विवाद में अधेड़ को पीटकर किया घायलबहू और नातिन भी चपेट में, चार नामजद के विरुद्ध मुकदमा दज

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शिवापार गांव में एक पुराने पारिवारिक विवाद ने रविवार रात हिंसक रूप ले लिया। गांव निवासी महेंद्र यादव (52) को उनके ही पट्टीदारों ने उस समय मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया जब वे अपने घर के बाहर बैठकर भोजन कर रहे थे। पीड़ित महेंद्र यादव का अपने पट्टीदार से काफी समय से विवाद चल रहा है। रविवार रात मौके पर पहुंचे और अचानक लाठी-डंडों से महेंद्र यादव पर हमला बोल दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव के लिए दौड़ी उनकी बहू ललिता और नातिन को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा और धक्का-मुक्की में उन्हें भी चोटें आ गईं। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने पीड़ित महेंद्र की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर में विवाहिता की संदिग्ध मौत से हड़कम

मीरगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज स्थानीय क्षेत्र के भिदुना गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्र के भिदुना निवासी 32 वर्षीय शालू पत्नी विजय कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्वजनों के अनुसार शुक्रवार के दिन शरीर मे दर्द होने की शिकायत किया था। अपरान्ह तबियत अधिक बिगड़ गयी, जब तक लोग कुछ समझ पाते उसकी मौत हो गई। अंतिम संस्कार की स्वजन तैयारी कर रहे थे कि किसी ने पुलिस को घटना से अवगत करा दिया। सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेते हुए थानाध्यक्ष मीरगंज विनोद अंचल को अवगत कराया। थानाध्यक्ष ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। स्थानीय कुछ लोगों का कहना है की पारिवारिक कलह के चलते महिला ने आत्महत्या कर लिया है। मामला चाहे जो भी हो पोस्टमार्डम रिपोर्ट के बाद ही मामला साफ साफ हो पाएगा । बताया गया कि मृतक महिला के पास एक 6 वर्षीय पुत्र हैं जो बिन मां के हो गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद प्राप्त तहरीर के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी बहरहाल शव को पुलिस ने पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रतिदिन प्रति व्यक्ति रू 5 की दर से टिकट लागू पास भी होगा जारी,लोहिया पार्क के लिए बैठक में दिशा निर्देश जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्यान विकास समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा लोहिया पर्यावरणीय उद्यान पार्क के सौन्दर्यीकरण, सुदृढीकरण तथा पार्क के रख-रखाव हेतु पार्क में सभ्रान्त नागारिको/आगन्तुको के प्रवेश हेतु टिकट निर्गत किये जाने का निर्णय लिया गया। जिसमें प्रतिदिन प्रति व्यक्ति रू0 5 की दर से लागू किया जायेगा। पार्क में प्रवेश हेतु आगन्तुको/सभ्रान्त नागरिको को तीन श्रेणी में यथा- प्लेटिनम, गोल्ड, सिल्वर आई0कार्ड निर्गत करने हेतु निर्देशित किया गया। टिकट की दरो का विवरण निम्नवत है- तैमासिक 250 छमाही 500 वार्षिक 1000 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया। पार्क में प्रवेश हेतु 70 वर्ष के ऊपर वरिष्ठ नागारिको एंव 12 वर्ष कम उम्र के बच्चो का एंव माता-पिता के साथ आये हुए नाबालिक बच्चो का प्रवेश निःशुल्क होगा। पार्क में प्रवेश हेतु टिकट व्यवस्था अगामी 16 अगस्त 2025 से लागू होनी है।

पार्क में टहलने वाले आगन्तुको/सभ्रान्त नागारिको से अपील किया है कि पार्क में प्रवेश हेतु लागू टिकट व्यवस्था को अपनी स्वेच्छा के अनुसार चुन कर पास अवश्य बनवा ले। पार्क के बाहर पार्किंग स्थल बनवाने एंव स्ट्रीट लाइट पार्क के बाहर रोड साइट लगाये जाने हेतु अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका एंव पार्क की सुरक्षा के दृष्टिगत पेट्रोलिंग अधिक से अधिक कराये जाने हेतु नगर क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पार्क के अन्दर एक पेड माँ के नाम लगाया जाये तथा आम जनमानस से पार्क में अधिक से अधिक पौधरोपण का कार्य 15 अगस्त 2025 तक प्रभावी रूप से कराया जाये।

जौनपुर में धान की रोपाई करते समय करंट की चपेट में आने से मां बेटे की मौत

खेत में चारों तरफ लगाए गए झटका मशीन के तार में करंट प्रवाहित होने से हुई घटना

रियाजुल हक गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के उत्तर गांवा में धान की रोपाई करते समय खेत के चारों तरफ फसलों की सुरक्षा के लिए लगाए गए झटका मशीन तथा तार में अज्ञात कारणों से करंट प्रवाहित होने से उसकी चपेट में आकर खेत में धान की रोपाई कर रहे मां और बेटे की मौत हो गई घटना के बाद मौके पर कोहराम मच गया तथा सूचना पर जाफराबाद और गौरा बादशाहपुर थाने की पुलिस पहुंचकर मौके पर छानबीन में लगी रही। उतरगांवा निवासी मंटू राय ने अपने खेत की सुरक्षा के लिए चारों तरफ झटका मशीन के द्वारा तार लगा रखा था। शनिवार को शाम लगभग 5:30 बजे सरैया बदरुद्दीनपुर निवासी लोधी वनवासी 30 अपनी मां बासमती देवी 55 के साथ मंटू राय के खेत में धान की रोपाई कर रहा था। किसी बीच अज्ञात कारणों से झटका मशीन में बिजली प्रवाहित होने लगी। जिससे आंजन बासमती देवी खेत के किनारे पहुंचकर तार के संपर्क में आकर गिरकर छटपटाने। लगी मां को छटपटाता देखा उसका बेटा लोधी वनवासी उसे बचाने के लिए दौड़ा तथा मां को तार से अलग करने के प्रयास में वह भी विद्युत की चपेट में आ गया। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक मौके पर मां बेटे की मौत हो गई। सूचना पर जाफराबाद थाने तथा गौराबादशाहपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुटी रही। मृतक के परिजन मौके पर जिलाधिकारी को बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

भारत गैस एजेंसी ने दिया घरेलू गैस उपयोग और सुरक्षा का प्रशिक्षण

छात्राओं को गैस लीकेज, सिलेंडर उपयोग, व सावधानियों की दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

विशाल सोनी

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार को भारत गैस एजेंसी, सेंट थॉमस रोड के तत्वावधान में छात्राओं को घरेलू गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग और सावधानियों को लेकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रशासन एवं वार्ड सदस्य नीलम के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत गैस एजेंसी के प्रबंधक राजमणि दुबे ने की। इस दौरान गैस एजेंसी से आए पदाधिकारी विवेक अस्थाना, रामकुमार, चंदा, प्राचीश अस्थाना ने छात्राओं को घरेलू गैस से जुड़े कई आवश्यक पहलुओं की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि गैस लीकेज की स्थिति में क्या करें। गैस की गंध आते ही मुख्य रेगुलेटर बंद करें। बिजली का स्विच ऑन/ऑफ न करें। दरवाजे-खिड़कियां खोलें ताकि गैस बाहर निकल सके माचिस या लाइटर का बिल्कुल उपयोग न करें।साथ ही, गैस सिलेंडर का उपयोग कैसे सुरक्षित किया जाए, रेगुलेटर की स्थिति कैसे जांचें, पाइपलाइन की समय-समय पर जांच क्यों जरूरी है। इन सभी विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। छात्राओं को घरेलू गैस की उपयोगिता के साथ-साथ उसमें निहित संभावित खतरे भी समझाए गए ताकि वे घर में भी सावधानी बरत सकें।

पुलिस द्वारा मोटर साईकिल, पिस्टल व दो जिन्दा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर पुलिस द्वारा एक मोटरसायिकल व एक पिस्टल 32 बोर व दो जिन्दा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।घटना का संक्षिप्त विवरणःदिनांक- 26.07.2025 को उ0नि0 अ?विन्द कुमार यादव मय हमराह द्वारा 01 आरोपों की गिरफ्तारी व 01 मोटरसायिकल पैशन प्रो0 व 01 पिस्टल 32 बोर व 02 जिन्दा कारतूर 32 बोर की बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 167/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम बीरेन्द्र यादव पुत्र स्व0 रामजतन यादव ग्राम कबीरूद्दीनपुर थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर कराया गया है । गिरफ्तारी का विवरण दिनांक- 26.07.2025 को उ0नि0 अरविन्द कुमार यादव मय हमराह हे0का0 देवेन्द्र यादव,का0 अखिलेश निषाद ,हे0का0 विधिचन्द्र ,का0 सुधीर साहू के द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर ग्राम लिलहा पुलिया के कुछ दुर पहले से एक नफर अभियुक्त बीरेन्द्र यादव पुत्र स्व0 रामजतन यादव ग्राम कबीरूद्दीनपुर थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के कब्जे से 01 मोटरसायिकल पैशन प्रो0 व 01 पिस्टल 32 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 32 बोर के साथ अभियुक्त को हिरासत पुलिस मे व बरामद शुदा माल को कब्जा पुलिस मे लेकर थाना स्थानीय पर लाकर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही किया जा रहा है ।

आरक्षण और संविधान बचाने को आगे आए पीडीए समाज: धर्मेंद्र यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव आरक्षण दिवस के अवसर पर संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस समारोह में 11 बजे दिल्ली से चलकर बाबतपुर हवाई अड्डे पर पहुंचे। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं जनप्रतिनिधि गण के नेतृत्व में बुके देकर अगवानी किया। तत्पश्चात सड़क मार्ग से चलकर नगर के होटल रिवर व्यू पहुंचने से पूर्व रास्ते में जगह जगह सपाजनों ने ढोल नगाड़ा बजाकर एवं फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने 51 किलो की बड़ी माला से एवं स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम देकर सम्मान किया। उपस्थित सपा जनों ने भी माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने किया।

आरक्षण दिवस के अवसर पर संविधान मान स्तंभ दिवस स्थापना समारोह को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि आजमगढ़ के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि आज भाजपा सरकार में पीडीए समाज के हक अधिकार, आरक्षण और वोट का अधिकार छीना जा रहा है, जिसकी शुरूआत बिहार से शुरू हो गई है। पीडीए समाज एकजुट होकर अगर भाजपा को सत्ता से हटाएगा नहीं तो संविधान, आरक्षण और वोट का अधिकार पीडीए समाज से छीन लिया जाएगा। आने वाले 2027 में संविधान, आरक्षण और वोट के अधिकार को बचाए रखने के लिए पीडीए समाज को एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मजबूत बनाना होगा। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने संविधान मान स्तंभ स्थापित करते हुए संविधान की मूल प्रस्तावना पढ़कर हजारों की संख्या में उपस्थित महिलाओं, सपाजनों को संविधान बचाने का संकल्प दिलाया। फ्रंटल के साथियों ने चांदी का मुकुट पहना कर मुख्य अतिथि सांसद धर्मेंद्र यादव का सम्मान किया।

कार्यक्रम को पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, सांसद सुश्री प्रिया सरोज, विधायक गण तूफानी सरोज, लकी यादव, डॉ.रागिनी सोनकर, पंकज पटेल, पूर्व मंत्री श्रीराम यादव, पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर, पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री राजनारायण बिंद, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री संगीता यादव, पूर्व ज़िला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, अमीक जामेई, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.अवधनाथ पाल, दीपचंद राम आदि ने संबोधित करते हुए पीडीए समाज की एकजुटता का आवाहन किया।उक्त अवसर पर वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मोहम्मद, आजम खान, डॉ. सरफराज अहमद , रुखसार अहमद, सैयद आरिफ सहित हजारों की संख्या में सपाजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

वोटरों का वेरिफिकेशन कर रहे बीएलओ की सूची शीघ्र होगी प्रकाशित

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में स्थानीय प्रखंड के बीडीओ बिंदु कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकारों से बताया कि मतदाता पुनरीक्षण और विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। पहले चरण में बीएलओ ने घर-घर जाकर वोटरों को एक बार गणना प्रपत्र दिया था। इसमें मतदाता का नाम, ईपिक नंबर, बूथ नंबर, मतदाता क्रम संख्या और बूथ का नाम दर्ज था। पुरुष मतदाताओं को इसमें अपना नाम, जन्मतिथि, आधार नंबर, माता-पिता और पत्नी का नाम, सभी का ईपिक नंबर भरना था। साथ में फोटो, हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान लगाकर जमा करना था। महिला मतदाताओं को भी यही प्रक्रिया करनी थी। जिसमें माता-पिता और पति का नाम भरना था। गणना प्रपत्र को बीएलओ अपलोड कर चुके हैं। पहले चरण की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। अब दूसरे चरण में बीएलओ को मतदान केंद्रवार मतदाताओं से संबंधित दस्तावेज लेने हैं। बीएलओ को मतदाताओं से मिलकर कागज देने को कह रहे हैं। इसके लिए 11 प्रकार के दस्तावेज मान्य है। इनमें केंद्र या राज्य सरकार, के कर्मचारी या पेंशनभोगी का पहचान पत्र या पीपीओ, 1 जुलाई 1987 से पहले जारी कोई सरकारी दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय का शैक्षणिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, पारिवारिक रजिस्टर और सरकारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने बीएलओ को 2003 की मतदाता सूची भी उपलब्ध कराई है। यह सूची ऑनलाइन भी है। बीएलओ इस सूची को लेकर घर-घर जा रहे हैं। सूची में जिनके नाम हैं, उनके क्रम संख्या के आगे टिक मार्क कर नाम, विधानसभा संख्या, भाग संख्या और क्रमांक संख्या मिलाकर ऑनलाइन वेरीफिकेशन कर रहे हैं। जिनके नाम सूची में नहीं हैं, उनका वेरीफिकेशन उपरोक्त दस्तावेजों के आधार पर किया जा रहा है। बीडीओ श्री कुमार ने कहा वेरीफिकेशन के बाद एक अगस्त 2025 को सत्यापित मतदाताओं की सूची प्रकाशित की जाएगी।

कारगिल विजय दिवस पर लोगों ने किया रक्तदान

मानवता की सेवा के साथ ही, शहीदों को श्रद्धांजलि देने का भी एक माध्यमः जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल शहीदों की याद में जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक मे अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ फीता काटकर किया, और रक्तदान करने वाले लोगों का हौसला बढ़ाया व शुभकामनाएं दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र ने कारगिल विजय पर बलिदान देने वाले सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि अगर देश सेवा का जुनून है तो यह आवश्यक नहीं की युवा सेना में जाकर ही फर्ज निभाए इसके अलावा और भी कई ऐसे मार्ग हैं जिनके माध्यम से यह कर्तव्य निभाया जा सकता है। लोगों में रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियां है जिन्हें जागरूकता लाकर दूर करने की आवश्यकता है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है। कारगिल विजय दिवस पर रक्तदान मानवता की सेवा के साथ ही, शहीदों को श्रद्धांजलि देने का भी एक माध्यम है।जिलाधिकारी ने कहा कि वीर शहीदों को नमन करने के लिए और इसकी स्मृतियों को ताजा करने के लिए लहू देश के लिए अभियान एक उत्कृष्ट तरीका है।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने रक्तदान करने वाले लोगो को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब जौनपुर के अध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता, सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, डॉ एल.अर्पित सिंह, डॉ.नरेंद्र कुमार, योगेश साहू, एच के कुशवाहा, अरूण सिंह, ईच्छा राय, चन्द्र प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में 31 तक दे सकते हैं फीडबैकः बीडीओ

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में स्थानीय प्रखंड के बीडीओ बिंदु कुमार ने शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में मीडिया से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की स्थिति आंकलन को लेकर स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नागरिक मोबाइल से एसएसजी 2025 ऐप डाउनलोड कर उसके माध्यम से 31 जुलाई तक ऑनलाइन फीडबैक दर्ज करा सकते हैं। महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में भी इस सर्वेक्षण में लोग भाग ले रहे हैं। बीडीओ बिंदु कुमार ने बताया कि यह सर्वेक्षण प्लास्टिक कचड़ा प्रबंधन इकाई, मल कीचड़ प्रबंधन संयंत्र सहित दस स्वच्छता मानकों पर नागरिक प्रतिक्रिया दर्ज कर स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग स्थलों की कार्यक्षमता का आकलन करेगा। इसके लिए प्रत्येक पंचायत से कम से कम 1000 हजार लोगों का फीडबैक लेना है। लेकिन अब तक मात्र चार-पांच सौ के करीब लोगों ने हीं अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लोगों से खासकर स्कूली बच्चों से अपील करते हुए इस अभियान में अपने आसपास के स्वच्छता की स्थिति के बारे में फीडबैक देने को कहा है।

कॉमेडियन स्टार सेजल कुमारी की बहन सिया कुमारी के जन्मदिन मना

जौनपुर। कॉमेडी जगत की चर्चित कलाकार सेजल कुमारी की बहन सिया कुमारी के जन्मदिन की खुशी में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हास्य जगत के अनेक जाने-माने कलाकारों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। कार्यक्रम में रंजीत निषाद, राहुल निषाद, कल्लू, निशा डी, मन्ना, सरोज, विशाल, उत्तर शक्ति न्यूज की रिपोर्टर चंदन, एवं महाकाल प्रजापति जैसे समस्त कलाकारों ने उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति से जन्मदिन समारोह को सफल बनाया। इस आयोजन ने न केवल पारिवारिक खुशी को साझा किया, बल्कि कॉमेडी की दुनिया में आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को भी दशार्या।